RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 36 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 10 जून 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

सुविचार

हमारी खुशी का स्त्रोत हमारे ही भीतर है, यह स्त्रोत दूसरों के प्रति संवेदना से पनपता है।

दलाई लामा

चरित्रहीन भाजपा अध्यक्ष ने अपने आपको चरित्रवान साबित करने के लिए अवैध संबंध वाली महिला को प्रलोभन देकर पत्रकार के खिलाफ करवाया मामला दर्ज

बेटी की हमउम्र महिला से लक्ष्मण नायक ने बनाएं नाजायज संबंध

वादे अनुसार मकान नहीं बना कर देने पर अपने स्वार्थ के लिए महिला ने किया पत्रकार का उपयोग

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

एक चरित्रवान व्यक्ति चाहे वह महिला हो या पुरुष के लिए उसकी चरित्रता के साथ ही उसके मान-सम्मान, प्रतिष्ठा ही उसका अनमोल धन होता है। चरित्रहीन व्यक्ति की बात करे तो वह अपनी सारी मान-मर्यादा और प्रतिष्ठा को ताक में रख अपनी चरित्रहीनता के साथ वह कितने भी निचले स्तर पर जाकर वह अपनी नीचता का परिचय देने में कोई चूक नहीं करता है, क्योंकि उसे समाज में किसी मान-मर्यादा और प्रतिष्ठा से कोई एतबार नहीं रहता। इसलिए चरित्रहीन व्यक्ति के लिए पति-पत्नी, परिवार, समाज व भारतीय सभ्यता के साथ संस्कृति को भी ताक में रख अपनी चरित्रहीनता का परिचय देता ही रहता है। वही ऐसे चरित्रहीन व्यक्ति का परिवार के साथ जो पार्टी या संगठन जुड़ा हो वह पार्टी व संगठन भी चाहे कुछ भी हो पर समाज या संगठन में अपनी झुठी मान-मर्यादा व प्रतिष्ठा को बचाने के लिए ऐसे चरित्रहीन व्यक्ति को न चाह कर भी सही बताने का असफल प्रयास जरूर किया जाता है। लेकिन चरित्रहीनता उजागर होने के बाद हमारा समाज स्वतः ही यह जान लेता है कि, कौन चरित्रहीन है और कौन चरित्रवान, जहां किसी को सफाई देने की आवश्यकता नहीं रह जाती है।

हम बात कर रहे हैं संघ की पृष्ठभूमि से जुड़े झाबुआ जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक की कि, वे कितने चरित्रवान हैं और कितने चरित्रहीन। यह बात हमें बताने की यहां आवश्यकता नहीं है कि, जो महिला उनके पास सहयोग की अपेक्षा के साथ आए तो वह उस महिला को हवस की भावना से देख उसे वशीभूत करने का प्रयास करता है और मोबाइल पर गैर महिला से बाथरूम में जाकर वीडियो कॉलिंग पर बात करने का कहता है। उसी से उसकी चरित्रता का प्रमाण मिल जाता है कि, वह कितना चरित्रवान है या चरित्रहीन। उक्त मामले में महिला चरित्रवान थी जो भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक की बातों में नहीं फंसी ओर समय आने पर तटस्थ होकर न्याय की गुहार लगाई और आज भी लक्ष्मण नायक के विरुद्ध तटस्थ है। ऐसी महिला पर हम एक बार नहीं हजार बार नाज कर सकते हैं।

उसी के उलट एक और मामला झाबुआ ब्लॉक के पिटोल क्षेत्र की 28 वर्षीय महिला बदला हुआ नाम लैला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें लैला ने भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, लक्ष्मण नायक ने मेरे पति को फंसा देने की धमकी देकर उसके साथ लक्ष्मण नायक की गाड़ी में ही एक से अधिक बार शारीरिक शोषण किया और हमेशा ऐसे ही संबंध बनाकर रखने पर महिला को मकान बनाकर देने की बात भी कही थी। वही महिला ने वीडियो में यह भी बताया कि, ऐसे ही मेरे साथ रहना, कभी भी वीडियो वालों को बताने की कोशिश मत करना, नहीं तो तेरे पति को भी उठवा लूंगा और तेरे को भी मरवा दूंगा कि धमकियां देकर उसके साथ शोषण करता रहा है, जिसके खिलाफमहिला कार्रवाई करना चाहती है बताया, तथा उक्त वीडियो बनाने पर महिला को कोई आपत्ति नहीं है यह भी महिला ने जाहिर किया। इतना ही नहीं 4 मई को डीजीपी भोपाल, महिला आयोग, प्रदेश भाजपा संगठन व मुख्यमंत्री तक महिला ने भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक द्वारा डराकर उसके साथ शारीरिक शोषण होने विषयक शिकायत भी बाय पोस्ट से भेजकर की गई।

पुलिस की कार्यप्रणाली इस बार भी संदेह के घेरे में

स्वार्थी लैला ने मजनू से अपनी इच्छा अनुसार समझौता कर पत्रकार पर ही लगा दिया झुठा आरोप

हमारा समाज ऐसे इंसान का कभी सम्मान नहीं करता है जो दोगले होकर अपने स्वार्थ के लिए भाई जेसा रिश्ता बनाकर किसी का उपयोग करें और स्वार्थ सिद्ध होने के बाद उस भाई पर ही झूठे आरोप मढ़ दे। हम नारी का सम्मान करते हैं पर ऐसी नारी जो गैर मर्द से अपने स्वार्थ के लिए नाजायज संबंध रखती है और जब स्वार्थ सिद्ध नहीं होता है तो किसी अन्य का उपयोग कर अपना स्वार्थ सिद्ध करती है, ऐसी महिला का सम्मान हम न कभी करते हैं और न ही करेंगे।

मामले में 4 मई को भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के विरुद्ध वीडियो जारी कर एवं शिकायत करने के बाद 5 मई को ही स्वार्थी महिला एक और वीडियो जारी कर पत्रकार पर ही आरोप मढ़ दिए और वीडियो में कहा, भाजपा जिला कार्यालय पर मेरे पति भाजपा कार्यकर्ता होकर मीटिंग में गए थे और मैं कार्यालय के बाहर खड़ी थी, पत्रकार निक्की आया और उसने लक्ष्मण नायक के विरुद्ध मुझे बरगलाया और उसके साथ ले गया और 5 से 10 लाख रूपए का लालच देकर मुझे 20 हजार रुपए दिए और मुझसे पत्रकार ने वीडियो बनवाया और मुझसे कागज पर साइन करवाएं। यहां तक की सोशल मीडिया पर जारी 3 मिनट 41 सेकंड के वीडियो में पत्रकार द्वारा महिला को जान से मारने तक की धमकी दिए जाने का कहकर पत्रकार का उपयोग कर अपने स्वार्थ सिद्ध होने के बाद उसके विरुद्ध एक शपथ-पत्र के साथ पत्रकार निकलेश डामोर के विरुद्ध झूठा मामला दर्ज करवाया। वहीं पुलिस ने भी राजनीतिक दबाव में आकर पत्रकार के विरुद्ध झूठा मामला दर्ज कर पुलिस ने भी अपने आपमें एक अपराध कर दिया है।

चरित्रहीन भाजपा जिलाध्यक्ष ने बनाए अवैध सम्बंध, लैला से समझौते के बाद पत्रकार पर करवाया मामला दर्ज।

महिला द्वारा दो अलग-अलग वीडियो जारी कर पत्रकार के विरुद्ध मामला दर्ज होने के बाद माही की गूंज ने मामले की पूरी पड़ताल की, तो प्रथम दृष्टीया ये ही सामने आया कि, एक उम्र दराज भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक का अपनी बेटी की उम्र की महिला लैला से नाजाईज तालुकात आपसी रजामंदी के साथ चल रहा था। उक्त अवैध संबंध किस मजबूरी के साथ महिला ने अपने आपसी संबंध बनाए यह हम नहीं कह सकते। परंतु पूरे मामले में जाना तो यह जरूर सामने आया कि, लैला एवं मजनू लक्ष्मणसिंह नायक के मधुर संबंध के साथ नाजाईज संबंध जरूर थे। जिसका खुलासा महिला ने स्वयं शिकायती आवेदन में बताया कि, लक्ष्मण सिंह नायक ने दाहोद के आगे तक अपनी गाड़ी में बिठाकर ले गया और गाड़ी का ड्राइवर लिंबा था और गाड़ी में ही लिंबा को लस्सी लेने के लिए भेजकर मेरे साथ नाजाईज संबंध बनाया। इतना ही नहीं बाद में भी ड्राइवर लिंबा गाड़ी में ही बैठा था और कपड़े का पर्दा कर लक्ष्मण सिंह नायक ने संबंध बनाया एवं प्रथम वीडियो में भी लक्ष्मण सिंह नायक पर आरोप लगाकर लक्ष्मण नायक ने महिला के साथ नाजाईज संबंध बनाए का भी वीडियो जारी किया।

लक्ष्मण सिंह नायक ने प्रथम आरोप अनुसार महिला के साथ नाजाईज संबंध डरा धमकाकर बनाएं बताया। लेकिन पत्रकार पर आरोप मढ़ने के बाद माही के गूंज ने पड़ताल की तो महिला स्वयं पत्रकार निकलेश के घर गई और पत्रकार को बार-बार लक्ष्मण सिंह नायक के विरुद्ध समाचार प्रकाशित करने को कहा, लेकिन पत्रकार ने पुख्ता प्रमाण देने के बाद समाचार प्रकाशित करने का कहा। जिसके बाद महिला ने 3 मई को लक्ष्मण सिंह नायक के विरुद्ध आरोप लगाकर अपनी इच्छा से वीडियो जारी किया और 4 मई को महिला के बताए अनुसार प्रतिवेदन बनाकर उसके हस्ताक्षर के साथ मुख्यमंत्री तक शिकायत की। वहीं महिला ने स्वयं लक्ष्मण सिंह नायक से अपने संबंध होने के प्रूफके रूप में लक्ष्मण सिंह नायक से हुई बातचीत के ऑडियो भी पत्रकार को दिए, जिसमें लैला-मजनू की कहानी स्पष्ट जाहिर होती है। लेकिन पत्रकार ने आपसी राजीमर्जी का मामला देखते हुए समाचार प्रकाशित नहीं किया। लेकिन जिलाध्यक्ष तक यह बात पहुंची कि महिला ने वीडियो जारी करने के साथ उसके विरुद्ध मुख्यमंत्री तक शिकायत कर दी, तो ताबड़तोड़ महिला एवं उसके पति से समझौता कर 5 लाख एवं मकान बनाकर देने का कहकर लक्ष्मण सिंह नायक ने समझौता करवाकर पत्रकार से मामले को रफा-दफा करवाने का प्रयास महिला के माध्यम से ही करवाया।

मामले में जाना तो सामने आया कि, लक्ष्मण सिंह नायक ने महिला से आपसी संबंध के साथ हमेशा अवैध संबंध बनाकर रखने के लिए महिला को अच्छा मकान बनाकर देने की लालच के साथ दोनों के मध्य लैला-मजनू का खेल चल रहा था, लेकिन लक्ष्मण सिंह नायक अपने वादे पर खरा नहीं उतर रहा था तो, उससे पैसे वसूलने हेतु पत्रकार का उपयोग किया और वीडियो जारी करते ही महिला का स्वार्थ समझौते के रूप में लक्ष्मण सिंह नायक से पूरा हो गया और महिला ने मामले को दबाने के लिए 4 मई की रात में ही पत्रकार को फोन कर कहने लगी, मामले को यहीं दबा देना और कोई वीडियो सार्वजनिक मत करना लक्ष्मण सिंह नायक पैसे देने के लिए राजी हो गया है, अगर वह पैसे नहीं देगा तो मैं उसके विरुद्ध फिर खड़ी हो जाऊगी।

पूरे मामले में यही आता है कि, महिला ने अपने निजी स्वार्थ के लिए लक्ष्मण सिंह नायक से पैसे ऐठने के लिए ही पत्रकार का उपयोग किया, जिसमें महिला का पति भी शामिल हो सकता है इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है। इस घिनोने मामले को देखते हुए हमें महिला की सारी सच्चाई ऑडियो-वीडियो जिसमें लक्ष्मण सिंह नायक व महिला के किस तरह के संबंध थे वह सार्वजनिक कर रहे हैं। ताकि भविष्य में कोई महिला अपने स्वार्थ के लिए अपने किसी अन्य से नाजाईज संबंध बनाकर किसी का उपयोग नहीं कर सके।

निरंतर...

पुलिस की कारस्तानी व महिला के षड्यंत्र का शिकार कब तक होते रहेंगे पत्रकार?

क्या भाजपा में अब महिला कार्यकर्ता या भाजपा समर्थीत कार्यकर्ता परिवार की महिला ऐसे चरित्रहीन व्यक्तियों की बुरी नजर से बच सकेगी?

पत्रकार के पास भाजपा अध्यक्ष के कारनामो का खुलासा करने के लिए महिला, पत्रकार के पास गई या पत्रकार महिला को बहलाकर ले गया? व भाजपा अध्यक्ष व महिला की प्रेम कहानी सुने व देखे क्युआर कोड स्कैन कर।

गजब एमपी: कोरोना वैक्सीन लगवाए बिना ही मिल गया सर्टिफिकेट, सख्त एक्शन लेगी सरकार

भोपाल। कोरोना टीकाकरण को लेकर लापरवाही का एक मामला सामने आया है। भोपाल में एक शख्स ने दावा किया है कि उसको कोरोना वैक्सीन का टीका लगने से पहले ही वैक्सीनेशन का सर्टिफेकट प्राप्त हो गया है। शख्स ने कहा कि उसने वैक्सीनेशन का स्लॉट बुक किया और सेंटर पर जाने से पहले ही उसके पास वैक्सीनेशन पूरा होने का मैसेज आ गया। इस शख्स का नाम दिव्यांश जयवार बताया जा रहा है। उनका कहना है कि 27 मई को उन्होंने टीका लगवाने के लिए स्लॉट बुक किया था लेकिन सेंटर पर जाने से पहले ही उनको एक मैसेज प्राप्त हुआ जिसमें, लिखा था- सफलतापूर्व आपका वैक्सीनेशन हो गया है। वहीं, दिव्यांश का कहना है कि उन्होंने अभी तक कोरोना वैक्सीन की एक डोज भी नहीं ली है। वहीं, मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने सख्त रूप अपना लिया है और दोषी के खिलाफकार्रवाई की बात कही है।

इस मामले पर मध्य प्रदेश के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि मामले की जांच की जाएगी और दोषी के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

ज्योतिरादित्य सिंधिया राजपूत, कैलाश विजयवर्गीय ब्राह्मण: भाजपा की लिस्ट वायरल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश की एक लिस्ट वायरल हो रही है। इस लिस्ट में 23 स्थाई आमंत्रित सदस्यों के नाम, पद, वर्ग एवं जाति का उल्लेख है। जिसमें श्री कैलाश विजयवर्गीय को ब्राह्मण एवं श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को राजपूत बताया गया है।

वायरल हो रही लिस्ट में दिनांक 7 जून 2021 की तारीख लिखी हुई है। कुल 23 दिग्गज नेताओं के नाम है जिन्हें स्थाई आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। इस लिस्ट में क्रमांक 4 पर श्री कैलाश विजयवर्गीय राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम बंगाल प्रदेश के प्रभारी का उल्लेख है। वर्ग सामान्य एवं जाति ब्राह्मण लिखी गई है। सभी जानते हैं कि श्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के प्रतिष्ठित वैश्य परिवार से आते हैं। चूक छोटी सी है लेकिन विरोधियों और आलोचकों के लिए कम से कम 1 दिन का मसाला तो है।

भाजपार्टी मध्यप्रदेश की लिस्ट में क्रमांक 7 पर श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री का नाम लिखा हुआ है। वर्ग सामान्य एवं जाति राजपूत बताई गई। इतिहास की कुछ किताबें और इतिहासकारों के द्वारा किए गए उल्लेख में सिंधिया परिवार को मराठा क्षत्रिय बताया है।

कोरोना संकट के बीच महिलाओं ने 4 लाख मास्क और 9 हजार पीपीई किट बनाकर कमाएं करोड़ों

ग्वालियर। कोरोना के संक्रमण काल में जहां देश विदेश में लोगों का रोजगार छिन गया कई परिवारों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट आ खड़ा हुआ. उसी संकट के दौर में ग्वालियर जिले की महिलाओं ने आपदा में अवसर खोजते हुए मास्क पीपीई किट, स्कूल ड्रेस और अन्य घरेलू उत्पाद का निर्माण करके 4 करोड़ 61 लाख रुपए कमाए हैं. जो अपने आप में रिकॉर्ड कमाई है.

दरअसल ग्वालियर जिला पंचायत के अंतर्गत 256 ग्राम पंचायतें आती हैं. उनमें से 200 गांव में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विभाग के द्वारा स्व सहायता समूह का गठन किया गया और इनकी रूचि के हिसाब से घरेलू उत्पाद तैयार कराने की ट्रेनिंग भी दी गई है.

4 लाख मास्क, 9000 पीपीई किट तैयार की

महिलाओं को जिला प्रशासन ने मास्क, पीपीई किट तैयार करने के लिए रो-मटेरियल उपलब्ध कराया. इन सभी समूह ने कोरोना की दोनों लहरों के बीच लगभग चार लाख मास्क का निर्माण किया, इसके अलावा 9000 पीपीई इनके द्वारा तैयार की गई. इसके साथ ही सरकारी स्कूलों में बच्चों को मुफ्त दिए जाने वाली यूनिफॉर्म भी इन्होंने ही सिली. कोरोना के इस संक्रमण के इस दौर में इन महिलाओं ने एक लाख 25 हजार बच्चों की ड्रेस सिली है.

4 करोड़ की आमदनी हुई

इस सबसे महिलाओं को 4 करोड़ 61 लाख रुपए की आमदनी हुई है. इस समूह से 200 गांव की लगभग 3500 महिलाएं जुड़ी है. जिनमे से 2348 महिलाओं ने इस दौरान काम किया है. अगर एवरेज देखा जाए तो प्रत्येक महिला की मासिक आय 10000 से ऊपर निकल चुकी है।

भाजपा के हुए जितिन प्रसाद: 'कमल' थाम कांग्रेस पर किया वार

नई दिल्ली एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेसी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद आज यानी बुधवार को कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। भाजपा में शामिल होने के बाद जितिन प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस अब एक व्यक्ति विशेष और वर्ग विशेष की पार्टी रह गई है। इस वजह से काम नहीं कर पा रहा था।

भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद जितिन प्रसाद ने कहा, ''मैंने पिछले 8-10 सालों में ये महसूस किया है कि आज देश में अगर कोई असली मायने में संस्थागत राजनीतिक दल है तो भाजपा है। बाकी दल तो व्यक्ति विशेष और क्षेत्र के हो गए, लेकिन राष्ट्रीय दल के नाम पर भारत में कोई दल है तो भाजपा है। उन्होंने कहा कि हमारा देश जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसके लिए आज देशहित में कोई दल और कोई नेता सबसे उपयुक्त और मजबूती से खड़ा है, तो वो भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।''

सवाल ये है कि किस दल में जा रहा हूं...

जितिन प्रसाद ने कहा, ''मेरा कांग्रेस पार्टी से तीन पीढ़ियों का साथ रहा है। मैंने ये महत्वपूर्ण निर्णय बहुत सोच, विचार और मंथन के बाद लिया है। आज सवाल ये नहीं है कि मैं किस पार्टी को छोड़कर आ रहा हूं बल्कि सवाल ये है कि मैं किस पार्टी में जा रहा हूं और क्यों जा रहा हूं। कांग्रेस में मैं अपने लोगों की सेवा नहीं कर पा रहा था। मुझे उम्मीद है कि भाजपा के माध्यम से मैं लोगों की सेवा कर सकूंगा।''

पंचायत का कारनामा

कोटवाल की हाजरी भरकर वर्षों से निकाली जा रही मजदूरी

शाणा सरपंच अपने आपको अनपढ़ बताकर हर बार बचने में हो जाता है कामयाब

बलराम पाटीदार द्वारा एसडीएम, तहसीलदार व सीईओ को दिए आवेदन की प्रति।

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में होने वाले भ्रष्टाचार एक बाद एक सबूतों के साथ सामने आ रहे हैं, लेकिन अधिकारी है कि प्रत्यक्ष दिख रहे भ्रष्टाचार को भी रफा-दफा कर भ्रष्टे को बचा रहे हैं। ग्राम पंचायत असालिया में आंगनवाडी सहायिक को मनरेगा में मजदूरी भुगतान के बाद ग्राम पंचायत वेकलदा में कोटवार द्वारा मृतक के खाते से प्रधानमंत्री आवास की राशि निकालने का मामला आया था। फिर ग्राम पंचायत गामडी में मृत महिला, सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और कोटवार के खाते में मजदूरी के फर्जी भुगतान का मामला सामने आया था। लेकिन किसी भी मामले में ग्राम पंचायत पर कोई कार्यवाही नही की गई।

अब एक और पंचायत में गंभीर मामला सामने आया है, जिसमे विगत चार से पांच वर्षों से कोटवार पद पर कार्यरत लोगो को रोजगार गारंटी में मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है। मामला ग्राम पंचायत जामली का है जहां के बलराम पाटीदार ने अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार और जनपद सीओ को लिखित आवेदन देकर बताया कि, किस तरह ग्राम पंचायत जामली के सरपंच अम्बालाल वसुनिया ओर रोजगार सहायक द्वारा निर्भयसिंह मैडा द्वारा वर्ष 2017 से हल्का नंबर 25 के दो कोटवार को लगातार रोजगार गारंटी में मजदूरी करना बताकर भुगतान किया जा रहा है। जबकि कोटवार नोकरी पर होता है ऐसे में उसका लगातार मजदूरी करना खुला भ्रष्टाचार करना प्रतीत होता है।

शिकायतकर्ता बलराम पाटीदार ने बताया कि, सरपंच और रोजगार सहायक मिलकर फर्जी हाजरी अपने रिश्तेदारो और करीबीयों की भर रहे है, मनरेगा के कार्य मशीनों से कर मजदूरों के हक पर डाका मार रहे हैं। शिकायतकर्ता द्वारा शिकायती पत्र के साथ ऑनलाइन मस्टर की प्रति भी उपलब्ध करवाई है, जिसमे कोटवार राजाराम और देवेन्द्र को मजदूरी का भुगतान उनके बैंक खाते में होना साफदिखा रहा है।

शिकायत के बाद ये देखना होगा कि, हर बार की तरह इस बार भी अधिकारी कार्रवाई करने की बजाए भ्रष्टे को बचाकर खुद चांदी काटते हैं या शासन की राशि को गबन करने का प्रकरण बनाकर कार्रवाई करते हैं। शिकायतकर्ता बलराम पाटीदार ने बताया कि, अगर स्थानीय अधिकारियों से न्याय नही मिलता है तो इस संबंध में उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग करूंगा।

शाणा सरपंच अपने आपको अनपढ़ बताकर बच निकलता है

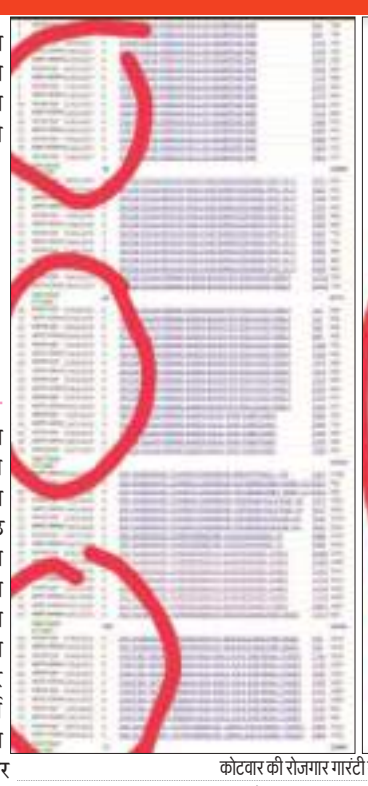

कोटवार की रोजगार गारंटी में मजदूरी में भरी हाजरी।

ग्राम पंचायत जामली में लम्बे समय से सरपंच पद पर बैठ आम्बाराम वसुनिया जो विगत दो वर्षों से ग्राम प्राधन बना हुआ है। लगातार पंचायत में फर्जी मजदूरी, घटिया निर्माण और शासकीय जमीन बेचने के गंभीर आरोपो से घिरी हुई है, लेकिन पेटलावद सरकारी कार्यलयों से भोपाल के मंत्रालय और सचिवालय तक दौड़ लगाने वाला सरपंच अम्बाराम वसुनिया अपने आपको अनपढ़ बताकर ग्राम पंचायत में होने वाले भ्रष्टाचार को स्वीकार कर उसका बिल रोजगार सहायक और सचिव पर फाड़ देता है। जबकि पंचायत में होने वाला एक भी कार्य उसकी बिना जानकारी के नही होता है और किसी भी कार्य के भ्रष्टाचार में बराबर का हिस्सेदार होता हैं। अधिकारीयो द्वारा ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार की अनदेखी का परिणाम ये है कि, एक के बाद एक पंचायतो में इस प्रकार के काले कारनामे सामने आ रहे हैं।

झाबुआ के वार्ड नंबर 15,16 तथा 17 के लिए विशेष सत्र लगाकर होगा टीकाकरण

माही की गूंज, झाबुआ।

बुधवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए झाबुआ के महावीर बाग जैन मंदिर में आपदा प्रबंधन समिति के वार्ड क्रमांक 15,16 और 17 के पार्षद तथा नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने आव्हान किया कि अपने वार्ड में शत-प्रतिशत टीकाकरण करवाएं। टीकाकरण के लिए हम हर संभव सुविधा उपलब्ध करवाएंगे। आपदा प्रबंध समिति के सदस्यों से रूबरू चर्चा की। नगरपालिका उपाध्यक्ष रोशनी डोडियार, पार्षद हेलन विवेक मेड़ा, पार्षद विनय भाबर, अविनाश डोडियार, जितेन्द्र जैन, भुपेश सिंगौड आदि गणमान्य नागरिक से सीधे चर्चा की।

कलेक्टर मिश्रा ने आपदा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों से आव्हान किया कि आपके वार्ड में शत प्रतिशत टीकाकरण में अपना योगदान करें। इस महामारी को रोकने के लिए अपना सर्वोच्च योगदान प्रदान करें। आपके वार्ड में शत-प्रतिशत टीकाकरण हो इसके लिए आपको पुरस्कृत तो किया ही जाएगा और इससे भी महत्वपूर्ण है कि जिसे आपने प्रेरित कर टीकाकरण करवाया है। वह इस महामारी से भी मुक्त होगा, और आप उसके परिवार को भी सुरक्षित करेंगे। आप पहल करें एवं टीकाकरण के लिए आप अपना योगदान निश्चित समय में पूर्ण भी करें। आपके वार्ड की समस्या या अन्य कोई शासकीय योजना में आपको आ रही समस्या का हल हम सबसे पहले उस वार्ड में पूर्ण करेंगे। जहां शत-प्रतिशत टीकाकरण हो गया है। यह उस वार्ड के लिए पुरस्कार से कम नहीं होगा। हम उस वार्ड को सम्मानित भी करेंगे। इन वार्डों के लिये महावीर बाग जैन मंदिर परिसर (दिलीप गेट) में आपको स्पेशल वैक्सीनेशन की सुविधा प्रदान कर दी जाएगी। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सोहन कनाश, मुख्य नगरपालिका अधिकारी एलएस डोडिया उपस्थित थे।

जिला न्यायालय परिसर में कोविड वैक्सीनेशन कैम्प का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को सुबह 10 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के तत्वाधान में जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से कोविड-19 रोकथाम, बचाव हेतु टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा फीटा काटकर जिला जज राजेश कुमार गुप्ता ने वैक्सीनेशन कैंप का शुभारंभ किया।

कोविड-19 रोकथाम तथा बचाव हेतु जिला न्यायालय झाबुआ के न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, न्यायालीन कर्मचारीगण, उनके परिवार के सदस्यों के लिए तथा न्यायालय अथवा शासकीय आवासों पर कार्य करने वाले कर्मचारियों व उनके परिवारीजनों के लिए टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला जज तथा अन्य उपस्थित अतिथियों के द्वारा टीका लगवाने वाले सभी लोगों को समझाईश देकर अधिक से अधिक संख्या में टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया गया। टीकाकरण कैंप में उत्साह के साथ अधिवक्ताओं तथा कर्मचारियों ने तथा उनके परिवार के सदस्यों ने टीका लगवाया। जिला न्यायालय परिसर में आयोजित वैक्सीनेशन कैंप का संपूर्ण जिले में सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ। जिससे आने वाले समय में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के कैंप आयोजित करने का जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग ने संकल्प लिया गया।

जिला न्यायालय परिसर में आयोजित किया गया टीकाकरण कैंप।

दोपहर तक 74 लोगों को ने लगवाया टीका

कैंप में दोपहर 02रू40 बजे तक 74 लाभार्थियों को टीका लगवाया जा चुका था। आयोजन में जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, विशेष न्यायाधीश महेन्द्र सिंह तोमर, अपर जिला जज एवं प्राधिकरण के सचिव राजेश देवलिया, अपर जिला जज संजय चौहान, न्यायिक मजिस्ट्रेटगण राजकुमार चौहान, हर्ष ठाकुर, तनवी माहेश्वरी ठाकुर, प्रतिभा वास्कले, अमन सुलिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी झाबुआ डॉक्टर जयपालसिंह ठाकुर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर राहुल गणावा, अधिवक्तागण राजेन्द्र संघवी, स्वपनिल सक्सेना, योगेश जोशी, दीपक भण्डारी, जिला चिकित्सालय झाबुआ की स्टाफनर्स सुनिता निनामा, साधना बघेल, पायल राने, नरमा मंडोलिया एवं न्यायालीन कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

खाद बीज की समुचित व्यवस्था करें सरकार

नकली खाद बीज व आदिवासी किसानों को ठगना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा- कांतिलाल भूरिया

माही की गूंज, झाबुआ।

वर्षा ऋतु की आहट हो चुकी है मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश व जिले के किसानों के लिए अभी तक कोई ऐसी कार्य योजना नहीं बनाई है जिससे किसानों को खाद बीज मुहैया हो सके। विधायक कांतिलाल भूरिया ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के पिछले साल में व्यापक पैमाने पर मध्यप्रदेश में नकली खाद बीज का गोरख धंधा फल-फूल कर अपनी जड़े जमा चुका था। इस वर्ष भी खाद बीज में मिलावट व कालाबाजारी का अंदेशा है। वहीं भाजपा ने किसान कर्ज माफी योजना को बंद करके किसानों से चुन-चुनकर बदला ले रही है। तत्कालीन कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने जय जवान जय किसान ऋण माफी योजना लागू करके प्रदेश के लाखों किसानों का कर्जा माफ किया था व तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने किसानों के हित में शुद्ध के लिए युद्ध योजना क्रियान्वित कर पूरे प्रदेश में अमानक खाद बीज के लिए एक अभियान चलाया था। जिसमें प्रदेश के किसानों को शुद्ध खाद्य बीज मुहैया कराया गया था। इसी योजना के अंतर्गत नकली खाद बीज, मिलावट खोरी, कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही की गई थी। जिसके पश्चात शुद्ध खाद बीज किसानों को देने के बाद बंपर उत्पादन प्रदेशभर में हुआ।

विधायक भूरिया ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में किसानों की मंशा को समझना और फसल उत्पादन की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है। विगत वर्ष मिलावटखोरों, कालाबाजारियों ने नकली खाद बीज देकर किसानों को बहुत ठगा है। किसानों के साथ यह अन्याय कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। उल्लेख निय है कि भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों के चलते प्रदेश में कई किसानों ने आत्महत्या की है। कांग्रेस सतत मिलावटखोरों, कालाबाजारियों के ऊपर निगाह रखे हुए हैं, किसानों के साथ धोखा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर आधुनिक कृषक बालाराम पाटीदार खेत पर पहुंचे

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन पेटलावद क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ग्राम सारंगी में जिले के आधुनिक कृषक बालाराम पाटीदार खेत पर पहुंचे। यहां पर उन्होने आधुनिक रूप से की जा रही तरबूज, जामफल, संतरा, सेवफल, कटहल, ड्रेगनफुड, फैशन फुड, लिची, पिपरमेंट, मल्लीका वैराईटी के साथ-साथ आयुर्वेदिक पौधों को देखा। मिश्रा ने पाटीदार द्वारा की जा रही खेती के लिए प्रशंसा की तथा जिले के अन्य कृषकों को भी इसके लिए अपना मार्गदर्शन देने को कहा। इस दौरान एसडीएम शिशिर गेमावत, तहसीलदार जितेन्द्र अलावा, कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ के आईएस तोमर, उप संचालक कृषि एनएस रावत उपस्थित थे।

"शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षण संस्थाओं की भूमिका" पर हुआ मंथन

माही की गूंज, झाबुआ।

"नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के स्वप्न को साकार करते हुए मातृभाषा में शिक्षा को तकनीकी शिक्षा में सबसे पहले लागू किया जा रहा है। शिक्षा का मतलब समाजोन्मुख शिक्षा होना चाहिये। अन्तर्निहित क्षमता को पहचानना और उसे विकसित करना ही शिक्षा का काम होता है।" यह उद्गार शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने व्यक्त किये। "वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षण संस्थाओं की भूमिका" विषयक संगोष्ठी में प्रस्तावना रखते हुए गुजरात तकनीकी वि.वि. के कुलपति डॉ. नवीन भाई सेठ ने कहा कि शिक्षण संस्थान समाज की चेतना का केन्द्र होते हैं। आपदाओं की घड़ी में हमारी शिक्षण संस्थाओं ने नवाचार कर देश और समाज हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये है। ऑनलाइन शिक्षा, कोरोना के प्रति जागरूकता के साथ स्वास्थ्य सेवा में शिक्षण संस्थाओं की भूमिका अग्रणी रही है।

न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि कोरोना महामारी के साथ देश में दो तूफानी आपदाऐं भी आयी किंतु हमारी शिक्षण संस्थाओं ने अपने सकारात्मक कार्यों से समाज को जो सहयोग दिया वह प्रशंसनीय है। जब लोग घरों से नहीं निकल पा रहे थे, जब सगे-सम्बन्धी भी चाह कर मदद नहीं कर पा रहे थे, ऐसे विकट और विषम समय में शिक्षण संस्थाओं ने प्रेरणादायी कारनामों को अंजाम दिये। हमारी शिक्षण संस्थाओं ने महामारी के समय ऑनलाइन शिक्षा के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के काम को प्राथमिकता दी।

संगोष्ठी में डॉ. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि हम तकनीक के माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। शिक्षक, विद्यार्थी की क्षमता ए.आई. तकनीक से पहचान सकेंगे, इस हेतु अटल अकादमी के माध्यम से देशभर के शिक्षकों को ट्रेनिंग दिलवा रहे है। जिला स्तर के संसाधनों का मान चित्रण किया जा रहा। दिव्यांगो के लिये राज्य स्तर पर केन्द्र स्थापित किये जा रहे है। मातृभाषा में तकनीकी शिक्षा के विषय लेखकों को दो लाख रूपये और अंग्रेजी से अनुवाद करने वालों को डेढ़ लाख रूपये दिये जा रहे है। उन्होनें कहा कि तकनीक का उपयोग कर पारदर्शिता को पाया जा सकता है। संगोष्ठी में शारदा समूह झाबुआ के ओमप्रकाश शर्मा, स्वामी विवेकानन्द वि.वि. सागर के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी, अमृता वि.वि. केरला के डॉ. आर. भवानी राव, संस्कृत वि.वि. मथुरा के कुलपति डॉ. राणा सिंह, त्रिपुरा वि.वि. के कुलपति डॉ. गंगाप्रसाद, एन.आई.टी. त्रिपुरा के डायरेक्टर डॉ. एच.के. शर्मा सहित देश के बीस महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थाओं के संचालकों ने कोरोना काल में उनकी संस्थाओं द्वारा किये गये सेवाकार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया। संचालन डॉ. चन्द्रशेखर कछावा, समीर कौशिक ने किया।

समय की जरूरत है, मास्क अपनी आदत में लाए-कलेक्टर सोमेश मिश्रा

जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक बुधवार को प्रातः 11 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई थी। बैठक के शुभारंभ में कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया। मिश्रा ने कहा कि जिले में कोरोना के संक्रमण के लिए कोरोना गाइड लाइन का सख्ति से पालन किया जाए। समय की जरूरत है, मास्क अपनी आदत में लाए, जो अभी सावधानियां रखी जाना है उसका पालन करने के बारे में चर्चा की। अभी सभी के लिए मास्क अनिवार्य है। जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जिले के सभी जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन एवं धार्मिक संगठन के द्वारा जो कार्य किए गए है। उसके अच्छे परिणाम आज हमें देखने को मिल रहे है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिये शहर के वार्डों में एवं ग्राम पंचायतों में खाटला बैठक के माध्यम से निरंतर बैठक आयोजित की जा रही है एवं कोरोना संक्रमण को रोकने के लिये शहर के वार्ड एवं ग्रामों में स्पेशल सत्र रखे जाने की कार्यवाही की गई है। इसके परिणाम भी बेहतर आए है। इसके अतिरिक्त डाय इन वैक्सीनेशन की सुविधा पुलिस अस्पताल में की जा रही है। जिसमें आप अपने वाहन से आए और वाहन में ही अपना वैक्सीनेशन करवाए।

अध्यक्ष जिला पंचायत शांति राजेश डामोर ने बताया कि इस महामारी से बचने के लिए जिला प्रशासन जो कार्य कर रहा है। उसके लिये मैं धन्यवाद देती हूं। कोरोना संक्रमण रोकने के लिये ग्रामों में टीकाकरण किया जा रहा है। उसके लिये भी मैं प्रशासन को धन्यवाद देती हूं।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक नागरिक अपना मास्क अनिवार्य रूप से लगाए। पुलिस विभाग आपके लिये निरंतर सहयोग करने के लिये रोड पर खड़ी है। आप कोरोना गाइड लाइन का पालन करें। अपने लोगों को सुरक्षित करें। अधिक से अधिक मास्क का वितरण सामाजिक संस्थाएं, धार्मिक संगठन, व्यापारी संघ एक अभियान के रूप में लेकर नर सेवा नारायण सेवा को ध्यान में रखते हुए करें। जो भण्डारा होता है उसी तरह का आयोजन मास्क वितरण के लिये किया जाए। पुलिस विभाग की ओर से भी निरंतर मास्क का वितरण किया जा रहा है। भाजपा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक ने बताया कि नगर के वार्डो एवं गांव में खाटला बैठक से टीकाकरण के लिये जनजागृति आई है। हम सभी एकजुट होकर टीकाकरण के लिये गांव-गांव जाकर लोगों को टीकाकरण करने के लिये समझाईश दे रहे है।

कोरोना आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य बोहरा समाज की ओर से नुरूद्दीन भाई पिटोल वाला ने बताया कि बोहरा समाज में शत-प्रतिशत टीकाकरण हो चुका है। जिला प्रशासन द्वारा बोहरा समाज को धन्यवाद दिया गया। नुरूद्दीन भाई पिटोल वाला ने बताया कि इंडियन आईल पेट्रोल पम्प एसोशिएशन के तत्वाधान में जिले के सभी इंडियन आईल पेट्रोल पम्प पर कार्यरत कर्मचारियों एवं उनके परिवारों का भी शत-प्रतिशत टीकाकरण करवा लिया गया है। जिला प्रशासन को हम सहयोग देने के लिये तत्पर है। पुरवेश कटारा ने कहा कि गार्डन में शादी विवाह अभी रोके जाना चाहिये। पथ विक्रेताओं के लिये शासन की जो योजना है एवं जो उन्हें सहायता प्रदान की गई है। उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिये। कलेक्टर द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी झाबुआ को निर्देश दिए कि तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें एवं योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। मेडिकल एसोशिएसन के अध्यक्ष मनोज बाबेल ने बताया कि जिले में सभी व्यापारियों को व्यापार की छुट प्रदान की जाना चाहिये। सकल व्यापारी संघ एवं सामाजिक महासंघ के अध्यक्ष नीरज राठौर ने बताया कि पैलेस गार्डन में जो वृहद स्तर पर दो दिवसीय कोरोना वैक्सीनेशन के लिये जो शिविर लगाया गया था। उसे बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। प्रशासन का जो सहयोग मिला है, उसके लिये धन्यवाद प्रेषित किया। शादी विवाह समारोह कोरोना गाइड लाइन के पालन करते हुए दी जाना चाहिये। जिससे बैंड वाले, ढोलक वाले, घोड़ी वाले इस तरह के कार्य करने वालों की रोजी रोटी चल सके। सब्जी व्यवसाय करने वालों के लिये प्रथक से टीकाकरण के लिये विशेष सत्र लगाया जाना चाहिये। कलेक्टर द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। नीरज ने सराफा व्यवसाय एवं नाई की दुकान को खोलने की अनुमति देने के लिए निवेदन किया। पंकज मोगरा जैन द्वारा वर्तमान में व्यापारियों को जो 3 बजे तक व्यवसाय खोलने की अनुमति है उसे सांय 7 बजे तक किये जाने का निवेदन किया।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर आकाश सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सोहन कनाश, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला ज्योति परस्ते, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेपीएस ठाकुर, सिविल सर्जन डॉ. बीएस बघेल, मुख्य नगरपालिका अधिकारी एलएस डोडिया तथा कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग विजय सिंह पंवार उपस्थित थे।

राजस्व विभाग में समय पर हल नहीं होने से वर्षों से होते चले आ रहे जमीन विवाद

जमीन पर कब्जे को लेकर हत्या तक हो जाने के मामले आने के बाद भी नहीं जाग रहा प्रशासन

वकील, बाबू से लेकर अधिकारी तक काट रहे चांदी, आर्थिक शोषण के साथ अपराधी के सफर पर जवाबदार

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

आदिवासी बहुल जिला झाबुआ जहां ज्यादातर अंचल में आदिवासी वर्ग बसता है और अपनी परम्परा अनुसार खेती पर निभर्र रहता है। किसी के पास अपनी निजी भूमि है तो किसी ने शासकीय भूमि सहित अन्य व्यक्ति की भूमि पर कब्जा जमाया हुआ है। जिसको लेकर आपस मे विवाद होना जिले में आम बात है।

ग्राम हमीरगढ़ में शासकिय भुमि के विवद में हुई हत्या के आरोपी।

जांच करने घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक।

पेटलावद विकास खण्ड की भी कुछ ऐसी ही हालत है जहाँ राजस्व विभाग में सैकड़ों मामले जमीन विवाद को लेकर चल रहे है, जिसमे से अधिकांश मामले तो वर्षो से निराकरण का इंतजार कर रहे हैं। कानूनी प्रक्रिया इतनी जटिल है कि, निराकरण होने के बाद भी जमीन के कब्जे को लेकर भी वर्षो बीत जाते हैं। इस बीच जिन पक्षो में विवाद है उनके बीच और विवाद बढने की स्थिति बन जाती है। कई मामले थाने या चौकी तक पहुँच कर मामूली प्रकरण के साथ समाप्त हो जाते है तो कई बार विवाद इतना बढ़ जाता है कि, मामला हत्या तक पहुंच जाता है।

शासकीय भूमि को लेकर हुए विवाद में हुई एक और हत्या

क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर हत्या होना कोई नई बात नही है। बीते कुछ वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिसमे जमीन विवाद गंभीर अपराध का रूप ले चुके हैं। शुक्रवार 4 जून को रायपुरिया थाना के ग्राम हमीरगढ़ में शासकीय भूमि को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या हो गई।

रायपुरिया थाना प्रभारी तेजमल पंवार ने बताया कि, ग्राम हमीरगढ़ में एक भूमि पर मकान बनाने की बात को लेकर विवाद हो गया, इस दौरान तीन से चार लोगों ने मिलकर रायचंद पिता दयाराम (60) पर लोहे की एंगल से हमला कर दिया, जिसे इलाज के लिए पेटलावद और फिर दाहोद ले जाया गया, जहां रायचन्द की मौत हो गई। हत्या के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। हमीरगढ़ में हुई हत्या के मामले में रायपुरिया थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 299/21 भादवि की धारा 302, 323, 294, 506, 34 में फरार चारो आरोपियों को रायपुरिया पुलिस ने रविवार गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर किया, जहां से सभी को न्यायालय ने जेल भेज दिया।

रायपुरिया थाना प्रभारी तेज़मल पंवार ने बताया, सभी चारो आरोपी रमेश पिता अम्बाराम गणावा, अम्बाराम पिता भुरजी गणावा, दिनेश पिता अम्बाराम गणावा और शांति उर्फ बसंती पति रमेश गणावा को ग्राम गामडी थाना क्षेत्र पेटलावद से गिरफ्तार किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी आशुतोष गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सौनु डावर ने मौके पर पहुँच कर हालातो का जायजा लिया, क्योकि कई बार ऐसे मामलो में बदले की भावना उत्पन्न होती हैं जिससे माहौल बिगड़ सकता है।

राजस्व विभाग की लापरवाही के कारण हो रहा मौत का तांडव

मिली जानकारी के अनुसार हमीरगढ़ की शासकीय भूमि को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा था। मामला राजस्व न्यायलय तक भी पहुँचा लेकिन विवाद एक जान जाने के बाद भी वही खड़ा है। ऐसा एक मामला नही सैकड़ो मामले है जो राजस्व विभाग में अटके पड़े हैं और जिनको लेकर विवाद गहराते ही रहते हैं। कुछ मामले तो इतने सामान्य है कि, राजस्व विभाग चाहे तो निराकरण कुछ दिनों में ही कर सकता है लेकिन यहां राजस्व विभाग की खाख छान रहे लोगो को भी नही पता चलता कि, आखिर चल क्या रहा है और कब निराकरण होगा।

वकील, बाबू, पटवारी से लेकर अधिकारी काट रहे चांदी

पुलिस विभाग व राजस्व विभाग में चल रहे ज्यादातर मामले जमीन से ही जुड़े हैं, जहां गुहार लगाने वाले आर्थिक शोषण का शिकार होते हैं। कभी मामले को न्यायालय ले जाने तो कभी तारिखों पर आने के लिए, विभाग में बैठे बाबू बिना पैसे लिए तारिख भी नही देते है। जमीन के सीमांकन से लेकर पटवारी के पंचनामें और विभाग से निकलने वाले आदेश और उस आदेश के पालन तक लेन-देन होती हैं। अगर विपक्षी भारी हो तो फैसले के बाद आदेश के पालन में भी पसीना आ जाए तो वकील ओर अधिकारी मिलकर ऐसी गली बनाते हैं कि, फिर निराकरण हुआ मामला न्यायालय में चक्कर लगाने लग जाता है। वर्षो तक न्यायालय की खाख छान रहे मामलो में कई बार विवाद की स्थिति बनती है ओर बात हत्या तक पहुंच जाती है।

राजस्व न्यायालय तो ठीक न्यायालय के आदेशों का पालन नही हो रहे

राजस्व न्यायलय द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने जारी आदेशों को हवा में लटका कर लोगो को कानूनी लड़ाई में उलझा दिया जाता है। कई लोग राजस्व के आदेशों के विरुद्ध न्यायालय में भी पहुंच गए, जहां राजस्व के न्यायालय पर किसी प्रकार का स्टे आर्डर नही हुआ और नियम अनुसार राजस्व न्यायलय को शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त करानी थी। लेकिन राजस्व विभाग द्वारा मामला न्यायलय में बताकर शासकीय भूमि से अतिक्रमण नही हटाया जाता, जिससे कई शासकीय भवन निर्माण अधर में लटक जोते है तो कई बार अतिक्रमण के ये मामले आपसी विवाद से बढ़ कर हत्या तक चले जाते हैं।

एसडीएम ने नगर भ्रमण कर लोगों को दी समझाइश

माही की गूंज, थांदला।

कोरोना कर्फ्यू में कुछ दुकानों को छोड़कर जब से बाजार खुला है तब से नगर में ग्रामीणों की भीड़ लगातार बड़ती जा रही है। भीड़ में महिला-पुरुष व बच्चे के साथ बुजुर्ग अब भी मास्क के प्रति लापरवाह नजर आ रहे हैं। बैंकों के बाहर, खाद-बीज की दुकानों पर, प्लास्टिक-पन्नी की दुकानों पर अधिक भीड़ देखी जा रही है। आमजन व दुकानदार आज भी कोरोना के प्रति लापरवाह बनकर सोशल डिस्टिनिंसग के साथ मास्क को गंभीरता से नहीं ले रहे है। बाजार में बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ज्योति परस्ते शासकीय अमले के साथ दोपहर में बाजार में भ्रमण पर निकली। एसडीएम के साथ तेहसीलदार शक्ति सिंह चौहान, एसडीओपी मनोहर गवली, थाना प्रभारी अनिल बामनिया, पुलिसकर्मी व राजस्व अमला मौजूद था। शासकीय अमले ने बाजार में बिना मास्क के घूम रहे लोगो के साथ उन्होंने ग्रामीणों व दुकानदारों को मास्क लगाने, शारीरिक दूरी रखनाए सेनेटाइजर का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और समझाइश भी दी। एसडीएम ज्योति परस्ते के साथ शासकीय अमला नगर के आजाद चौक, पीपली चौराहा, हाट बाजार, गांधी चौक होते हुए जहां भी भीड़-भाड़ वाला इलाका दिखा वहां ग्रामीण व दुकानदारों के साथ आमजनों को टीकाकरण व मास्क लगाने के लिए प्रेरित किया।

रेत-गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर हुई कार्रवाई

माही की गूंज, सारंगी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार खनिज अमले द्वारा मंगलवार को रेत और गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया जा कर सारंगी चौकी में बंद किया गया। वहीं गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर एक ट्रैक्टर ट्राली पेटलावद थाने में बंद की गई है। इन दोनों वाहनों पर खनिज नियमों के अंतर्गत अर्थदंड लगाने की कार्रवाई की जाएगी।

अहिंसा यात्रा के साथ शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी का हुआ मंगल प्रवेश

माही की गूंज, झकनावदा।

अहिंसा यात्रा को लेकर तेरापंथ धर्म संघ के 11 वे अनुशास्ता शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण का झाबुआ जिले की सीमा झकनावदा नगर में मंगलवार को नगर प्रवेश हुआ। आचार्य श्री को ठहरने के लिए बालक प्राथमिक विद्यालय झकनावदा में व्यवस्था की गई थी। जिसके बावजूद भी तेरापंथ सभा की महिलाओं एवं लोगों ने आचार्य श्री से विनती की कि, आप तेरापंथ सभा का जो सभा भवन बना हुआ है वहां पर रात्रि विश्राम करें तो आचार्य श्री ने उन सब की विनती मान ली। उक्त यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में नैतिकता, शांति सद्भाव अहिंसा एवं नशा मुक्ति का संदेश स्थापित करना है। आचार्य श्री के आगमन से पहले पूरे नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया बैनर, फ्लेक्स, पोस्टर भी लगाए गए। समाजजनों ने एक जैसे वस्त्र सफेद कुर्ता पजामा एवं ब्लू जैकेट पहन रखा था एवं महिलाओं ने भी पारंपरिक वेशभूषा पहन रखी थी। बच्चों भी सफेद ड्रेस मास्क एवं टोपी पहने नजर आए।

आचार्य श्री ने कई राज्यों का किया भ्रमण

शांतिदूत आचार्य श्री 23 राज्यों सहित नेपाल, भूटान में भी पद यात्रा कर चुके है, उन्होंने अभी तक 50 हजार किलोमीटर से ज्यादा की पदयात्रा की है। आचार्य श्री की प्रेरणा से एक करोड़ से भी ज्यादा लोग ने अभी तक नशा मुक्ति का संकल्प लें चुके हैं। गौरतलब है कि, आचार्य श्री को प्रदेश सरकार ने राजकीय अतिथि का दर्जा प्रदान किया है। झकनावदा नगर की पावन धरा पर आचार्य श्री के कदम दूसरी बार पड़े है, इससे पहले 2004 में अहिंसा यात्रा को लेकर जब वे युवाचार्य थे तब उनका नगर में मंगल प्रवेश हुआ था।

समाजजनों, जनप्रतिनिधियों ने आचार्य श्री की अगवानी

तेरापंथ सभा के कार्यकारी अध्यक्ष श्रेणिक कोठारी, मंत्री अजय वोहरा एवं समाजजनों ने कोरोना गाईडलाइन के निर्देशों का पालन करते हुए अगवानी की। साथ ही एसडीओपी सोनू डावर एवं झाकनावदा चौकी प्रभारी जीएस मावी ने अपने दल बल के साथ आचार्य श्री की अगवानी की।

प्री-मानसुन में ही परेशानी में घिरे वाहन चालक

लगातार उठ रही पुलिया निर्माण की मांग, भोपाल तक गुहार लगाने के बाद भी नही ली सूद

माही की गूंज, रायपुरिया। उमाशंकर पाटीदार

ग्राम के बहार विगत दो वर्षों से झाबुआ मार्ग पर टूटे पड़े पुल पर आवाजाही कर रहे वाहनों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार वाहनों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ा और वाहन चालको को जान तक गवानी पड़ी है। कई बार जनप्रतिनिधियों ने उक्त पुल के निर्माण के लिए अधिकारियों से लेकर प्रदेश लोक निर्माण मंत्री तक गुहार लगा दी, लेकिन किसी ने अब तक कोई सूद नही ली। बारिश में परेशानी और दुर्घटनाओं में भारी वर्द्धि हो जाती है। हाल ही में हुए प्री-मानसुन के बाद टूटे पुल के पास बने वैकल्पिक मार्ग पर जल भराव होकर कीचड़ की स्थिति निर्मित हो गई, जिससे छोटे-बड़े वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ा और जैसे-जैसे बारिश का मौसम आएगा ये परेशानी और बढ़ेगी। आखिर दो वर्ष के बाद सैकड़ो मांग और मीडिया में मामला आने के बाद जिला कलेक्टर, लोक निर्माण विभाग और मध्यप्रदेश सरकार ने इसकी सूद नही ली, ये आम जनता की समझ से परे है।

अधिक बारिश होते ही बन्द हो जाता है मार्ग

विभाग की लापरवाही का आलम ये है कि, पिछले दो वर्षों से बारिश के मौसम में जब भी अधिक ओर लगातार बारिश होती हैं तब रायपुरिया-झाबुआ मार्ग उक्त टूटे नाले की वजह से बन्द हो जाता हैं, क्योंकि वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह से पानी से भर जाता है। कई बार वाहन निकलने के प्रयास में या तो फस जाते हैं या वाहन दुर्घटना का शिकार तक हो जाते हैं। विभाग की लापरवाही का नतीजा आमजन और वाहन चालकों को इस वर्ष भी भुगतान पड़ेगा। दूसरी और छोटे-छोटे काम मे राजनीति करने वाली विपक्षी पार्टी कांग्रेस और सत्ता धारी भाजपा के नेता, जन समस्या को लेकर चुप्पी साधे हुए है जो विचारणीय है।

जिला सहकारी बैंक में प्रशासन व मीडिया ने चलाया जन जागरूकता अभियान

माही की गूंज, थांदला। कोराना के विरुद्ध जंग में प्रशासन द्वारा नगर के मीडियाकर्मी के सहयोग से स्थानिय जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में मंगलवार को महामारी के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ज्योति परस्ते ने ग्रामीण अंचल में वेक्सिनेशन हेतु मीडियाकर्मी के साथ शुरुआत की। वहीं कार्यक्रम को अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मनोहर गवली, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अनिल राठौर, जिला सहकारी बैंक प्रबंधक पारसिंह मुणिया, कार्यक्रम के आयोजक थांदला मीडिया के वरिष्ठ पत्रकार कुंदन अरोड़ा, पत्रकार अक्षय भट्ट, सुधीर शर्मा, मुकेश अहिरवार ने संबोधित कर टिकाकरण के लिए प्रेरित किया। बैंक परिसर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थांदला की मेडिकल टीम भी मौजूद थी, जिनके द्वारा समस्त खातेदारों की जांच की गई। इस अभियान के तहत शासन के निर्देश पर वृहद स्तर पर कोरोना जांच अभियान भी चलाए जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र उपाध्याय व आभार प्रदर्शन वरिष्ठ पत्रकार सुधीर शर्मा ने किया।

युवा कर रहे वैक्सिनेशन के लिए प्रेरित

माही की गूंज, थांदला। मुस्लिम समाज के युवाओं अपनी एक पहल के तहत वैक्सीनेशन के लिए लोगों को जागरुक कर रहे है। ये युवा गली-मोहल्ले में घूमकर घर-घर जाकर लोगों को वैक्सीनेशन के लिए जागरूक कर रहे हैं और रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। इन युवाओं ने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है जिसका नाम ''वेक्सिनेशन जागरूकता अभियान टीम'' रखा है। इस ग्रुप में उन लोगो को जोड़ा गया है जिसने वेक्सिनेशन करवा लिया है ओर वह युवा अपना वेक्सिनेशन कीया हुआ फोटो अपलोड कर दूसरे युवाओं को प्रेरित कर समाज मे बूढ़े मर्द औरत को भी घर-घर समझाईस दे रहे है। उनके मोबाईल नंबर, आधार नबर लेकर वार्ड में केम्प लगवाने की तैयारी कर रहे है, उक्त केम्प थांदला एसडीएम ज्योति परस्ते के सानिध्य में संभवतः शानिवार या रविवार को लगाया जा सकता है। युवाओं का कहना है, पहले हम अपने घर और समाज के लोगो को सत प्रतिशत टीका लगवाएंगे, जिसके बाद में यह कार्य नगर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रो में भी कीया जाएगा। युवाओं ने कहा, वेक्सिनेशन टीम का मकसद लोगो में जागरूकता लाना है हमारी उम्मीद है कि, नगर का हर व्यक्ति वैक्सीन लगवाए, तभी हारेगा कोरोना और जीतेगा भारत।

इज्जत घर का कोई नहीं करता उपयोग

गलत जगह निर्माण करने से स्थानीय लोगों व यात्री की पहुंच से दूर

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

सरकार द्वारा स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए हर घर में शौचालय निर्माण करवाया जा रहा है, मगर ग्राम पंचायत बनी की कहानी कुछ अजीबोगरीब है। मालवी भाषा में कहावत है कि, ''गाम नी गत गोयरे मालम पढ़े'' इस कहावत को बनी पंचायत चरितार्थ करती नजर आ रही है।

मामला कुछ यूं है कि, ग्राम बनी में बस स्टैंड पर जर्जर हालात में यात्री प्रतीक्षालय था जिसे पंचायत द्वारा धराशाई कर दिया गया और वहां इज्जत घर बनाने का आश्वासन दिया। मगर आज तक पंचायत ने धराशाई यात्री प्रतीक्षालय का मलबा भी नहीं उठाया और इज्जत घर ऐसी जगह बनाया कि, यात्री तो कभी भी उसका उपयोग कर ही नहीं सकते और आम जनता भी नहीं कर पाती। उसकी मुख्य वजह यह है कि, पंचायत द्वारा जहां इज्जत घर बनाया हुआ है वहां इज्जत घर के आगे सांची दुग्ध डेयरी और एक तरफपशु चिकित्सालय वही दूसरी ओर निस्तार तालाब का नाला रहता है, ऐसी स्थिति में आम आदमी भी इसका उपयोग नहीं कर सकता। पंचायत द्वारा बस स्टैंड पर यात्री प्रतीक्षालय को तोड़कर उस जगह इज्जत घर बनाना था मगर पंचायत द्वारा अपनी जेब गर्म करने के चक्कर में इज्जत घर ऐसी जगह बना डाला, जिसका कोई भी उपयोग नहीं कर सकता और आज भी यात्री प्रतीक्षालय अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। अंधेरी नगरी चौपट राजा में कौन ध्यान देने वाला है, अधिकारी कर्मचारी सब अपनी मस्ती में मस्त रहते हैं। क्योंकि जैसा तेरा गाना वैसा मेरा बजाना, सभी गांधी जी को नमन कर अपनी जेब गर्म करने में लगे हुए।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

माही की गूंज,झाबुआ। कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ में मंगलवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की ऑनलाइन बैठक का आयोजन वैज्ञानिक तथा प्रमुख, डॉ. आईएस तोमर के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एसआरके सिंह, निदेशक अटारी-जोन 9, जबलपुर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. एसएन उपाध्याय, निदेशक विस्तार सेवाएं, आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर, डॉ. यूपीएस भदौरिया, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, खण्डवा, केवीके खंडवा के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रमुख, डॉ. डीके वाणी थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक शर्मा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, इंदौर ने की। इस बैठक में रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के प्रतिनिधि के रूप में केवीके धार के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रमुख डॉ. एके बड़ाया सम्मिलित हुए। साथ ही जिले के कृषि व सम्बन्धित विभागों, संस्थाओं तथा एनजीओ, बैंक के 10 अधिकारियों, 4 वैज्ञानिकों व 4 कृषकों ने भाग लिया तथा आगामी कार्यक्रमों हेतु सुझाव दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रमुख डॉ. आईएस तोमर ने केवीके की सलाहकार समिति कि बैठक के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि आज के समय में मांग तथा आपूर्ति की परिस्थितियों को समझतें हुए फसलों का चुनाव व उनके उत्पादन का समय तय करना आवश्यक है, जिससे उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एसआरके सिंह ने अपने उद्बोधन में कहां कि उपयुक्त तकनीकों का चयन कर इसका परिक्षण प्रगतिशील कृषकों के साथ मिलकर करने तथा सफल तकनीकों को जिले में फैलाने की बात कहीं। साथ ही आपने दुरस्थ ग्रामीण अंचलों में रहने वाले किसानों से संपर्क कर उन्हें केवीके की गतिविधियों की जानकारी देकर शासन की कृषि से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने की बात कहीं। कार्यक्रम को मृदा वैज्ञानिक, डॉ. वीके सिंह केवीके झाबुआ, डॉ. आशोक शर्मा, डॉ. यूपीएस भदौरिया, डॉ. एके बड़ाया, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रमुख अलिराजपुर डॉ. आरके यादव, डॉ. डीके वाणी, पीडी आत्मा, धारवेजी, कृभकों प्रमुख झाबुआ एसके पाल, कोऑपरेटिव बैंक प्रबंधक सिरोठिया आदि ने अपने सुझावों रखें। कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. चन्दन कुमार, डॉ. जगदीश मौर्य, डॉ. आरके त्रिपाठी, दयाराम चौहान तथा समस्त कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. चन्दन कुमार, ने संस्था की ओर से समस्त अतिथियों तथा सम्मिलित समस्त कृषकों का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

कांग्रेस की कलहः सत्ता की महत्वाकांक्षाओं से उपजा टकराव

ऐसे वक्त में जब पंजाब सरकार का कार्यकाल समाप्त होने में चंद माह ही बाकी हैं, सत्तारूढ़ कांग्रेस में टकराव अपने चरम पर दिख रहा है। नि:संदेह, यह संघर्ष सत्ता की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ा है, सत्ता में चौधराहट हासिल करने की कवायद है, सत्ता में बड़ी हिस्सेदारी की चाहत का पर्याय है। चार वर्ष से अधिक के मौजूदा कार्यकाल में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह लगातार असंतुष्टों के निशाने पर ही रहे हैं, जिसमें कथित भ्रष्टाचार, बेअदबी के मामलों में अनिर्णीत जांच और बीते वर्ष नकली शराब से हुई भयावह त्रासदी से राज्य सरकार की हुई किरकिरी जैसे विवादों को लेकर सरकार के मुखिया को निशाने पर लिया गया। हाल ही के दिनों में ये हमले तेज हुए और इसमें राज्य में नेतृत्व परिवर्तन तक की मांग की जाने लगी। दरअसल, इस आक्रमण की एक वजह यह भी है कि, राज्य में कांग्रेस मजबूत स्थिति में है और उसके लिए आगामी चुनाव में बेहतर संभावनाएं बनी हुई हैं। लागू किए गए तीन विवादित कृषि सुधार कानूनों को लेकर राज्य में भाजपा शासित केंद्र के खिलाफ आक्रोश है, ऐसे में राज्य में भाजपा की जमीन दरकती नजर आती है। भाजपा से जुड़ाव के कारण अकाली दल भी लोगों का विश्वास हासिल नहीं कर पाया है। आम आदमी पार्टी भी संगठन में जारी गुटबाजी के चलते जनाधार खोती नजर आ रही है। यही वजह है कि, कांग्रेस नेता अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले चुनाव में पार्टी की बढ़त को लेकर आश्वस्त नजर आते हैं। यही विश्वास पार्टी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं को हवा दे रहा है। महत्वाकांक्षी राजनेता सत्ता व पार्टी में बड़ी भूमिका की उम्मीद पाले हुए हैं, जिसके चलते पार्टी में टकराव की स्थितियां बनती नजर आ रही हैं। लेकिन राज परिवार से ताल्लुक रखने वाले कैप्टन अमरिन्दर राजनीति के अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे बचाव की मुद्रा में आने के बजाए असंतुष्टों के बाउंसरों को हिट कर रहे हैं।

पार्टी में जारी असंतोष को असंतुष्ट नेताओं ने सार्वजनिक मंचों पर उजागर करना शुरू किया है। मीडिया के जरिए जोर-शोर से राज्य के मुखिया पर हमले बोले गए। असंतुष्ट नेता मुख्यमंत्री पर पार्टी नेताओं से दूरी बनाने और निरंकुश व्यवहार के आरोप लगाते रहे हैं। ये असंतुष्ट नेता राज्य में सक्रिय आपराधिक सिंडिकेट विशेष रूप से भूमि, रेत, नशा और अवैध शराब माफियाओं को संरक्षण देने के आरोप लगाते रहे हैं। अक्सर विवादों में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर व पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू वर्ष 2015 में हुए बेअदबी के मामले को जोर-शोर से उठाते रहे हैं। आरोप हैं कि, मुख्यमंत्री दोषियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। यहां तक कि, मामला कांग्रेस पार्टी हाईकमान तक पहुंचा है और कई कमेटियों ने मामला सुलझाने का प्रयास किया है। वहीं कैप्टन कहते हैं कि, वे पार्टी में सत्ता के दो ध्रुव नहीं बनने देंगे। यह बयान उन संभावना पर था, जिसमें असंतुष्ट नेता को पार्टी अध्यक्ष बनाने की बात थी। अब मुख्यमंत्री के समर्थक भी आक्रामक मुद्रा में नजर आ रहे हैं। वे हाईकमान से मांग कर रहे हैं कि, पार्टी के पुराने-वफादार लोगों को तरजीह दी जाए। वहीं कैप्टन अमरिन्दर सिंह व समर्थक आरोप लगाते रहे हैं कि, सिद्धू अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए पार्टी को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व की दखल के बावजूद विवाद का पटाक्षेप होता नजर नहीं आ रहा है। नि:संदेह, विवाद का मौजूदा विषम परिस्थितियों में जनता में अच्छा संदेश नजर नहीं जा रहा है। आखिर जब राज्य सदी की सबसे बड़ी महामारी से जूझ रहा है तो क्या ऐसे विवादों को हवा दी जानी चाहिए? यह वक्त तो महामारी से हलकान जनता के जख्मों पर मरहम लगाने का है। आर्थिक संकट से जूझ रहे राज्य को संबल देकर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का है। नि:संदेह, ऐसे वक्त में जब देश में सिर्फ तीन राज्यों में ही कांग्रेस के मुख्यमंत्री रह गए हैं, वर्ष 2022 में पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ सकता है।

विचार मंथलः छूट की राह

सिद्धार्थ शंकर

कोरोना की दूसरी लहर में जान के साथ जहान बचाने की चिंता में सरकारों ने कुछ छूट के साथ बाजार खोलना शुरू किया है। यह समय दूसरी लहर के पहले जैसा ही है। तब भी बाजार खुलने शुरू हुए थे और हमारी लापरवाही ने देश को बारूद के ढेर पर बैठा दिया था। अब फिर बाजार खुलने लगे हैं तो जहान से ज्यादा जान की चिंता सताने लगी है। कोरोना के प्रति असावधानी फिर से हमें संकट में डाल सकती है। हालांकि, कहा जा रहा है कि, इस बार लोग ज्यादा सावधान हैं और गाईडलाइन का पालन कर रहे हैं, मगर कुछ ऐसे भी हैं, जिनके चेहरे पर ना मास्क है और ना ही सुरक्षित दूरी का कोई उपाय। टीकाकरण भी अभी उस स्थिति में नहीं पहुंचा है, जहां वैक्सीन को रामबाण मान लिया जाए। इसलिए किसी भी सूरत में लापरवाही खुद के साथ दूसरों के लिए भी परेशानी का सबब बन सकती है। राज्यों ने दूसरी लहर के बीच ढील देना इसलिए शुरू कर दिया है, क्योंकि यह अब अपरिहार्य हो गया है। लंबे समय से कारोबारी गतिविधियां बंद पड़ी थीं। अर्थव्यवस्था को भारी चपत लग रही थी, आम लोगों को मुश्किलों से दो-चार होना पड़ रहा था। ऐसे पाबंदियों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के अलावा कोई रास्ता बचता भी नहीं है। इसीलिए मध्य प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, हरियाणा आदि राज्य अपने-अपने हिसाब से प्रतिबंधों में ढील दे रहे हैं।

सच तो यह है कि, महामारी का खतरा कहीं से कम नहीं पड़ा है। अभी सिर्फ असर कम हुआ है। राहत की बात इतनी ही है कि संक्रमण की दर कम हुई है। मरीजों के स्वस्थ्य होने की दर भी 95 फीसद से ऊपर है। मौतों के आंकड़े भी नीचे आ रहे हैं। ऐसे में सावधानी के साथ काम-धंधे फिर से शुरू करने में कोई हर्ज नहीं। इससे तो हालात सामान्य बनाने में मदद ही मिलेगी। बंदी और पाबंदियों से सबसे ज्यादा मुश्किल रोजाना कमाने-खाने वाले तबके को हो रही है। इनमें दिहाड़ी मजदूरों से लेकर रेहड़ी-पटरी लगाने वाले तक है, छोटे-मोटे कारोबारी हैं, लॉकडाउन की सबसे ज्यादा मार इसी तबके पर पड़ी है। एक करोड़ से ज्यादा लोग बेरोजगार हो गए। एक मोटा अनुमान यह है कि, इस बार डेढ़ महीने की लॉकडाउन से देश को पंद्रह लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। मौजूदा हालात में फूंक-फूंक कर ही कदम उठाने की जरूरत है। एक साथ सारी गतिविधियों को खोल देने फिर से बड़ा जोखिम पैदा हो सकता है। इसलिए हर जगह के हालात को देखते हुए ही ढील देना उचित होगा। छोटे-बड़े कारोबार ही राज्यों के राजस्व का स्रोत होते हैं। इसी से अर्थव्यवस्था चलती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि, हालात सामान्य बनाने में नागरिकों की भूमिका सबसे अहम है।

ढील का मतलब यह कतई नहीं कि अब सब कुछ सामान्य हो चला है। जरा-सी छूट मिलते ही लोग किस कदर बेपरवाह हो जाते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। यह नहीं भूलना चाहिए कि तीसरी लहर का खतरा सामने है। ऐसे में महामारी से बचाव के लिए जरूरी नियमों का सख्ती से पालन ही हमें संकट से बचाएगा। वरना फिर से घरों में कैद होने की नौबत आ सकती है। महामारी को लेकर पूरा एक वित्त वर्ष हाहाकार में गुजरा। ऐसे विकट संकट को लेकर कोई पूर्वानुमान भी नहीं था। लोगों की जान बचाना प्राथमिकता रही। इसलिए हालात के अनुसार कदम उठाने के अलावा कोई चारा था भी नहीं।

पहली तिमाही की मार का असर बाद की तिमाहियों पर पड़ना लाजिमी था। सिर्फ कृषि क्षेत्र ही था जिसने अर्थव्यवस्था को ढहने से बचाए रखा और चारों तिमाहियों में इसकी वृद्धि दर साढ़े तीन से साढ़े चार फीसद बनी रही। जबकि विनिर्माण, निर्माण और सेवा क्षेत्र की तो पहली तीन तिमाहियों में हालत बहुत ही खराब रही। इसका असर रोजगार, उत्पादन, मांग और खपत पर साफ दिखा। सरकार ने जो आंकड़े जारी किए हैं, वे भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं। ले-देकर चौथी तिमाही में हालात संभलने लगे थे और इनका असर दिखा भी। पहली तिमाही में निर्माण क्षेत्र साढ़े 49 फीसद तक लुढ़क गया था, उसमें चौथी तिमाही में साढ़े चौदह फीसद की वृद्धि देखने को मिली। विनिर्माण क्षेत्र जो छत्तीस फीसद नीचे चला गया था, चौथी तिमाही में सात फीसद वृद्धि दिखा रहा था। इसी तरह राजकोषीय कोषीय घाटा साढ़े नौ फीसद तक जाने का अनुमान था, पर यह अब 9.2 फीसद पर ही रुक गया।

आज हालात और ज्यादा चिंताजनक इसलिए भी हैं कि, देश दूसरी लहर का सामना कर रहा है और लहरों की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि सरकार का दावा है कि, दूसरी लहर का असर ज्यादा नहीं पड़ने वाला। पर ताजा आकंड़े बता रहे हैं कि, इस साल मई में वाहनों की बिक्री गिरी है, पेट्रोल-डीजल की खपत में कम हुई है, उद्योगों में बिजली की मांग में कमी आई है, उत्पादन फिर से दस महीने के न्यूनतम स्तर पर आ गया, एक करोड़ से ज्यादा लोग बेरोजगार हो गए हैं और 97 फीसद परिवारों की आय घट गई है। हाल में रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था की जो तस्वीर पेश की है, उसे गौर से देखा जाए तो वह कम निराशाजनक नहीं है। इससे ज्यादा दूसरी लहर का और क्या असर होना बाकी है?

कोरोना काल और शिक्षा पर पड़ रहा विपरीत प्रभाव

अशोक भाटिया

वैसे तो कोरोना काल में सभी लोगों पर प्रभाव पड़ा है साथ ही शिक्षा पर भी सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है। दुनिया भर में शिक्षा पर महामारी के पड़ते प्रभाव को मापने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने एक नया ट्रैकर जारी किया है जिसे जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, वर्ल्ड बैंक और यूनिसेफ के आपसी सहयोगी से बनाया गया है। यदि कोरोना काल की बात करें तो कोरोना महामारी के कारण करोड़ों बच्चों की शिक्षा पर असर पड़ा है। यदि शिक्षा पर संकट की बात करें तो वो इस महामारी से पहले भी काफी विकट था। इस महामारी से पहले भी दुनिया भर में शिक्षा की स्थिति बहुत ज्यादा बेहतर नहीं थी। उस समय भी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल जाने योग्य 25.8 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर थे। वहीं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में करीब 53 फीसदी बच्चों को शिक्षा नहीं मिल रही थी। जिसका मतलब है कि, 10 वर्ष से बड़े करीब आधे बच्चे सामान्य से चीजों को लिख पढ़ नहीं सकते थे। वहीं उप-सहारा अफ्रीका में स्थिति और बदतर थी जहां यह आंकड़ा 90 फीसदी के करीब था। वहीं यदि उच्च आय वाले देशों में यह आंकड़ा 9 फीसदी था। जो स्पष्ट तौर पर शिक्षा में व्याप्त असमानता को दर्शाता है। इस महामारी ने शिक्षा पर छाए इस संकट को और बढ़ा दिया है। जिसका असर हमारी आने वाली पीढ़ी पर लंबे समय तक रहने की संभावना है।

संकट की घड़ी में शैक्षणिक संस्थानों के आगे जो बड़ी चुनौती सामने आई है, उसमें आनलाइन एक स्वाभाविक विकल्प बन कर उभरा। ऑनलाईन कक्षाओं के जरिये छात्रों से जुड़ना समय की जरूरत रही लेकिन इस व्यवस्था में आमने-सामने दी जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विकल्प बताना भारत के भविष्य के लिए अन्यायपूर्ण है।

एक तरफ अभिभावक जरूर खुश हैं कि, स्कूल बंद होने के बावजूद उनके बच्चे की पढ़ाई हो रही है, दूसरी तरफ उन्हें यह भी चिंता है कि, बच्चों को चार-पांच घंटे मोबाइल या लैपटॉप लेकर बैठना पड़ता है। वैसे तो कहा जाता है कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखें लेकिन अभी बच्चों को?पढ़ाई के लिए मोबाइल का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। उसके बाद वे टीवी भी देखते हैं तो उनका स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है। इससे बच्चों की सेहत पर असर पड़ रहा है। साथ ही बच्चा कितना समझ पा रहा है यह भी देखना जरूरी है। बच्चों पर मानसिक दबाव काफी बढ़ गया है। बच्चों पर आनलाइन क्लासें परेशानी का सबब बनती जा रही हैं।

सोशल मीडिया पर 6 वर्षीय बच्ची के वायरल हुए वीडियो ने पूरे देश का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। इस वीडियो को लाखों लोगों ने देखा है। जम्मू-कश्मीर की रहने वाली इस बच्ची ने ऑनलाईन क्लास से नाखुश होते हुए वीडियो शेयर किया है। जिसमें वह स्कूल से मिलने वाले होमवर्क और लम्बी क्लास को लेकर परेशान है। बच्ची कह रही है कि, उसकी ऑनलाईन कक्षा दस बजे शुरू होती है और दो बजे तक चलती है। जिसमें इंग्लिश, मैथ्स, उर्दू और ईबीएस पढ़ना पड़ता है। बच्ची ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से गुहार लगाई है कि, आखिर उन्हें इतना काम क्यों करना पड़ता है। यद्यपि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इसका संज्ञान लिया। उन्होंने ट्विटर पर शेयर करते हुए कहा है कि, बहुत ही मनमोहक शिकायत है, स्कूली बच्चों पर होमवर्क का बोझ कम करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को जल्द नीति बनाने का निर्देश दिया है।

बचपन की मासूमियत भगवान का उपहार है और उनके दिन जीवंत, आनंद और आनंद से भरे होने चाहिएं। लेकिन परिस्थितियों ने हमें ऐसे मोड पर ला दिया कि मासूमों पर ज्यादा बोझ डालना पड़ रहा है। यह सही है कि, बच्चे नई तकनीक से शिक्षा हासिल करना सीख गए हैं। स्कूल ऑनलाईन कक्षाएं लगाकर अभिभावकों से फीस वसूल रहे हैं। उलटे स्मार्ट फोन, लैपटॉप, इंटरनेट के खर्चे ने अभिभावकों को परेशान कर दिया है। यह सही है कि, बच्चों से जुड़े स्कूलों के शिक्षक ऑनलाईन पढ़ाई के लिए इनोवेटिव तरीके, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया प्लेटफार्म का प्रयोग कर रहे हैं। छात्रों को होमवर्क और वर्कशीट सब आनलाइन भेजी जा रही है, लेकिन अभिभावक महसूस करते हैं कि, बच्चों का होमवर्क पूरा नहीं हो रहा, बच्चे असाइनमैंट पूरे नहीं कर पा रहे।

एक अध्ययन के मुताबिक 90 फीसद शिक्षक और 70 फीसद से अधिक अभिभावक का मानना है कि, ऑनलाईन कक्षा बच्चों के लिए ज्यादा प्रभावशाली नहीं है। ऑनलाईन शिक्षा में बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव नहीं हो पाता है, जबकि 90 फीसद शिक्षकों को लगता है कि, ऑनलाईन कक्षाओं के दौरान बच्चों का सार्थक मूल्यांकन नहीं हो पाता है। 60 फीसदी से ज्यादा बच्चे ऑनलाईन शिक्षा से वंचित हैं, क्योंकि उनके पास स्मार्टफोन उपलब्ध नहीं हैं। शिक्षा के लिए भौतिक रूप से उपस्थिति, एकाग्रता, सोच और भावना जरूरी है।

ऑनलाईन शिक्षा केवल इसलिए अप्रभावी नहीं है कि, बच्चों की पहुंच ऑनलाईन संसाधनों तक नहीं है, बल्कि शिक्षा की बुनियादी प्रकृति इसके ठीक विपरीत है। बच्चे जो स्कूल जाकर शिक्षकों, सहपाठियों के बीच रहकर सीख सकते हैं वह घर में रहकर नहीं सीख सकते। डेढ़ साल से घरों में बंद बच्चे मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में छोटे बच्चों के लिए ऑनलाईन कक्षाओं की अवधि घटाई जानी चाहिए। हमें नहीं चाहिए बुझा हुआ बचपन। शिक्षा के निजी क्षेत्र में ऑनलाईन कक्षाओं की आपाधाती के बीच इसका अंधाधुंध अनुकरण बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए ठीक नहीं। ऑनलाईन कक्षाओं को उम्र के लिहाज से संतुलित बनाए जाने की जरूरत है।

चाणक्य नीति

एक पंडित भी घोर कष्ट में आ जाता है यदि वह किसी मुर्ख को उपदेश देता है, यदि वह एक दुष्ट पत्नी का पालन-पोषण करता है या किसी दुखी व्यक्ति के साथ अत्यंत घनिष्ठ सम्बन्ध बना लेता है।

काम की बात

दुनिया का सबसे सफल इंसान वही है जिसे टूटे को बनाना और रूठे को मनाना आता है।

एक सलाह

कामयाबी कुछ नही, बस एक नाकामयाब व्यक्ति के संघर्ष की कहानी है।

शराब की बोतल में मौत का जिन्न ?

प्रभुनाथ शुक्ल

मदिरालय जाने को, घर से चलता है पीनेवाला, किस पथ से जाऊँ, असमंजस में है वह भोलाभाला। हरिबंशराय बच्चन की अमरकृति मधुशाला की यह पंक्तियां खुद-ब-खुद सब कुछ बंया कर देती हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जहरीली शराब पीने से 70 से अधिक लोगों की मौत हो गई। भला उन बेगुनाह लोगों को क्या पता था कि, उनकी शौक उन्हें ले डूबेगा। मधुशाला की बोतल में नशा नहीं यमराज थे। यह मौत सिर्फ पीने वालों की नहीं सिस्टम की है और नक्कारेपन की है, मरती इंसानियत की है।

कोविड काल ने दुनिया को बड़ा सबक दिया है। अब यहां इंसान की कोई कीमत नहीं है, इंसानियत मर चुकी है। जहां लाशों का कफन बेच दिया गया। जीवन रक्षक रेमडिसिवीर के इंजेक्शन में ग्लूकोज भर कर हजारों वसूले गए। आक्सीजन की कालाबाजारी हुई। गंगा में शवों का अंबार लग गया। अस्पतालों में लोग दवाओं और आक्सीजन के अभाव में मर गए उस समाज में इंसानियत के नाम पर अब बचा क्या है। पैसा कमाने के लिए हम कितने हदतक गिर सकते हैं इसकी कोई लक्ष्मण रेखा नहीं है। जहाँ मुर्दों का कफन बेच दिया जाता हो वहाँ अब क्या कुछ बचा है।

देश भर में जहरीली शराब बनाने और बेंचने वालों का कारोबार फैला है। पंजाब में नशे को लेकर कितना बदनाम हुआ। नशे के काले धंधे पर उड़ता पंजाब जैसी फिल्में तक आयीं। जमींनी तस्वीर को हम नकार नहीं सकते हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ उत्तर प्रदेश में इस तरह की घटनाएं होती हैं। लेकिन यह भी सच है कि राज्य में इस तरह के बेहद कम जिले होंगे जहां जहरीली शराब से मौतें न हुई हों। पंजाब, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार जैसे राज्यों में इस तरह की घटनाएं घट चुकी हैं। लेकिन किसी भी राज्य ने इस तरह की घटनाओं से सबक नहीं लिया। जिसका नतीजा है कि, उत्तर प्रदेश में एक बार फिर अलीगढ़ शर्मसार हुआ है।

सियासी रसूख रखने वाले शराब की बोतल में जहर बांटते हैं। अलीगढ़ में हुई घटना इसी का नतीजा है। अलीगढ़ की घटना में जिन दो मुख्य आरोपियों का नाम आ रहा है उनके भी संबंध दो राजनैतिक दलों से बताए गए हैं। मुख्य आरोपी पर सरकार ने 50 हजार रुपए का इनाम भी रखा है। घटना के बाद कई अफसरों पर गाज भी गिरी है। लेकिन इससे कोई फायदा मिलने वाला नहीं है। जब तक यह आग ठंडी होगी तब तक मीडिया में फिर इस तरह की दूसरी घटना सुर्खियां बनेगी। राज्य में सरकार किसी की हो गैरकानूनी धंधा करने वालों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। जब सिस्टम ही अंधा और विकलांग हो तो सरकार चाहकर भी कुछ नहीं कर सकती है। इसके बाद सबकुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि आखिर इस तरह की घटनाएं क्यों होती हैं।

राज्य में सरकार खुद शराब के ठीकों का आवंटन करती है। अंग्रेजी, बीयर और देशी शराब के ठीके गांव और शहर की गलियों में खुले आम मिल जाएंगे। जब सरकारी शराब की दुकानें पर्याप्त संख्या में हैं, फिर जहरीली शराब क्यों और कैसे बेंची जाती है। बेगुनाह लोगों के मौत की सजा सिर्फ निलंबन ही क्यों। इस तरह की घटनाओं के बाद जिम्मेदार लोगों को सेवा बर्खास्त क्यों नहीं किया जाता। क्योंकि इस तरह का गलत कारोबार इन्हीं के संरक्षण में होता है। गैरकानूनी शराब बनाने वालों का पुलिस प्रशासन और आबकारी विभाग से अच्छी सांठ-गांठ रहती है।

इस तरह की शराब का सेवन आम तौर पर कड़ी मेहनत करने वाले गरीब तबके लोग करते हैं। सरकारी ठीके पर मंहगी शराब मिलती है जिसकी वजह से उनकी क्रय शक्ति इतनी नहीं होती है। उस स्थिति में सस्ते पैसे में जहरीली शराब गटक कर अपनी मौत बुलाते हैं। सरकार को जब शराब खुले आम बेचनी ही है तो सस्ते दामों पर क्यों नहीं बेंचती। शराब पर अनावश्यक टैक्स क्यों लगाए जाते हैं। सरकार को भी शायद इस तरह के लोगों पर कोई दया नहीं आती। अगर शराब सस्ती बेची जाय तो जहरीली शराब के करोबार में संलिप्त लोग अपने आप हतोत्साहित होंगे। दूसरी तरफ सरकारी शराब की खपत भी बढ़ेगी। राजस्व भी अधिक बढ़ जाएगा, लेकिन सरकार ऐसा करना नहीं चाहती है।

आकड़ों के मुताबित उत्तर प्रदेश में लगभग 36 हजार करोड़ रुपए का सालाना शराब का कारोबार है। शराब सरकार की आय का प्रमुख स्रोत है। यही वजह है कि, गुजरात, बिहार और दूसरे राज्यों में शराब बंदी के बाद भी उत्तर प्रदेश में शराब पर प्रतिबंध नहीं लग पाया। साल 2018-19 की तुलना में 2019-20 में सरकार ने शराब कारोबार में 14 फीसदी अधिक राजस्व कमाया। हालांकि राज्य में शराब बिक्री का जो लक्ष्य रखा गया था उससे तकरीबन 14 फीसदी कम कमाई हुई। राज्य में सरकार को सबसे अधिक राजस्व देशी शराब से मिलता है। वर्ष 2019-20 में 48 करोड़ बल्क लीटर से अधिक शराब की खपत हुई। एक रिपोर्ट के मुताबित वर्ष 2021-22 में सरकार को नई आबकारी नीति की वजह से 6 हजार करोड़ की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है।

जहरीली शराब तैयार करने का कारोबार काफी बड़े पैमाने पर फैला है। इस कारोबार में लगे लोग अच्छी पहुंच और पकड़ वाले होते हैं। शराब बनाने में यूरिया, ईस्ट, गुड़ और सड़े फल का इस्तेमाल किया जाता है। इस करोबोबार से जुड़े लोग मिथाइल अल्कोहल का भी प्रयोग कर शराब तैयार करते हैं जिसकी वजह से यह जहरीली हो जाती है और लोगों के शरीर में जाते है केमिकल रियेक्शन शुरु होता है। जिसकी वजह से शरीर के अंग काम करना बंद कर देते हैं और पीने वाले की मौत हो जाती है। कभी-कभी लोग अंधे हो जाते हैं। मिथाइल का उपयोग रंग बनाने में किया जाता है। लेकिन गैर कानूनी कारोबार से जुड़े लोग अपनी पहुंच की वजह से मिथाइल हासिल कर शराब बनाते हैं जबकि उसकी आपूर्ति सिर्फ लाइसेंसी उपयोग के लिए होती है। इथाइल और मिथाइल दो तरह के अल्कोहल होते हैं। इथाइल नशा करता है जबकि मिथाइल पूरी तरह जहर है। लेकिन इसी से जहरीली शराब बना कर बेची जाती है जिसके सेवन से लोगों की जान चली जाती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। अपर मुख्य सचिव आबकारी और अपर मुख्य सचिव गृह को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने को कहा गया है। प्रदेश भर में अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया है। घटना में जिन दो आरोपियों की संलिप्तता बताई गई है उसमें एक पर 50 हजार का इनाम भी रखा गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कई अफसरों को निलंबित भी किया गया है। लेकिन जिन बेगुनाहों की मौत हुई है उनकी जिंदगी वापस नहीं लौट सकती है। अब वक्त आ गया है जब जहरीली शराब के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए। दोषी लोगों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

दुकान खोलने को लेकर कपड़ा व्यापारी व प्रशासन आमने-सामने

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

शाजापुर के छोटा चौक बाजार में बिना आदेश के कपड़ा व्यापारियों ने अपनी-अपनी दुकाने खोल दी। शाजापुर कलेक्टर दिनेश जैन ने दुकानों को खोलने के अलग-अलग दिन अलग-अलग व्यवसाय के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद शुक्रवार को कपड़ा व्यवसाई की दुकान बंद रखनी थी। लेकिन कपड़ा व्यापारियों ने बड़ी संख्या में छोटा चौक बाजार स्थित अपनी दुकान खोलने ली। जैसे ही इसकी सूचना जिला प्रशासन को लगी तो प्रशासन दल-बल के साथ छोटे चौक में पहुंच गए एवं व्यापारियों को समझाने लगे।

व्यापारियों का कहना था कि, कोरोना के चलते उनका व्यापार चौपट हो गया है एवं उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया। वहीं तहसीलदार एवं कपड़ा व्यापारी की तीखी बहस शाजापुर के चौक बाजार में देखने को मिली। कोविड़ के चलते जहां प्रशासन लगातार बाजारों एवं अन्य जगह पर भीड़ इक्कठा नहीं होने दे रही है वहीं चौक बाजार में खुल्लेआम कोविड़ नियमो की धज्जियां उड़ती हुई दिखाई दी है।

तहसीलदार ने बताया कि, व्यापारी संघ की प्रशासनिक अमले के साथ बैठक होगी जिसके बाद ही आगे का निर्णय लिया जा सकेगा।

कार्रवाई के लिए पहुंची नगर परिषद व राजस्व विभाग की टीम

माही की गूंज, पिपलियामंडी (मंदसौर)। अयोध्या बस्ती में मंगलवार को वार्ड क्र 9 में मटन दुकानों के पास अवैध निर्माण की सूचना मिलने पर नगर परिषद की टीम व राजस्व पटवारी दिग्विजयसिंह चूंडावत मौके पहुंचे। यहां पर नासीर पुत्र अब्दुल वहीद कुरैशी द्वारा दुकान के पीछे गड्ढे खोदकर पिलर निर्माण करवाया जा रहा था। नप अमले के पहुंचने से आस-पास के रहवासी भी एकत्रित हो गए। मटन विक्रेताओं व मोहल्लेवासियों में भूमि को लेकर बहसबाजी भी हुई।

पटवारी चूंडावत ने बताया कि, रहवासियों का कहना था कि यह भूमि मांगलिक भवन की है। वहीं मटन विक्रेता साबिर व नासिर का कहना है कि, प्रशासन ने मटन मार्केट के लिए भूमि हमें प्रदान की है। जबकि प्रशासन द्वारा यह भूमि मटन मार्केट के लिए प्रस्तावित की थी। किसी को भी किसी भी प्रकार का निर्माण करने की अनुमति नहीं थी। इस दौरान टीम द्वारा काम रुकवा दिया। नगर परिषद कर्मी आदिल ने बताया कि, अवैध निर्माण कर रहे नासिर पुत्र तथा पास ही बिना अनुमति मकान निर्माण कर रहे फिरोज पुत्र जहूर कुरैशी को नोटिस देंगे। दोपहर में अवैध निर्माण कार्य रुकवाने के बाद शाम को नप व राजस्व टीम ने पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी से भूमि पर किए गए गड्ढों को बंद करवाकर भूमि को समतल किया। इस दौरान चौकी प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय के साथ पुलिस दल उपस्थित था।

एसपी की सजगता के बाद भी अपराधियों के हौंसले बुलंद

नहीं थम रहा अपराधों का सिलसिला, आए दिन हो रही हत्याएं

माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

बड़ावदा में पूछताछ के लिए ले गई थी पुलिस, हुई मौत।

रतलाम एसपी गौरव तिवारी जैसे सजग पुलिस अधिकारी के रहते जिले में जहां अपराधी अपराध करने के बाद अपने आपको सुरक्षित तक नही मानते। वहीं ऐसी सजगता के बाद भी जिले में अपराधियों के होसले इतने बुलंद है कि, लगातार अपराध का ग्राफबढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और रतलाम पुलिस से उम्मीद लगाए हुए है कि, एसपी गौरव तिवारी जल्द ही इस बढ़ते अपराध के ग्राफको नियंत्रण कर लोगो को सुरक्षित होने का आभास करवाएंगे। पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनोती जिले में लगातार समाने आ रहे हत्या के मामले है, जहां आए दिन कही न कही हत्या जैसे अत्यंत ही गम्भीर मामले सामने आ रहे हैं। दूसरी ओर चोरों के हौसले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं जो लगातार सुने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातो को अंजाम दे रहे हैं।

रावटी थाना क्षेत्र में बुजुर्ग को लूटा और की हत्या

जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर रावटी थाना क्षेत्र के ग्राम नाहरपुरा के आमलाहेड़ा क्षेत्र में लुटेरों ने पत्नी के सामने उसके पति की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। पत्नी पर धारदार हथियार से वार किया, जिससे वह घायल हो गई। लुटेरे सोने-चांदी के जेवर व पांच हजार रुपए लूटकर भाग गए। घायल पत्नी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार रात सरदार भूरिया (70) निवासी ग्राम नाहरपुरा आमलाहेड़ा क्षेत्र में खेत पर बने मकान में जबकि पत्नी झीताबाई पास में ही झोपड़ी के बाहर सो रही थी। रात करीब एक बजे चार-पांच नकाबपोश आए। एक लुटेरे ने झीताबाई के कंधे पर पैर रखकर उन्हें दबाया। नींद खुलने पर झीताबाई ने देखा कि, दो व्यक्ति पति सरदार के पास खड़े होकर उन्हें दबाए हुए थे। लुटेरों ने पति को रस्सी से पलंग पर बांध दिया था। लुटेरों दोनों बुजर्गो पर लूट के लिए लगातार मारपीट की, झीताबाई पर तलवार जैसी धारदार वस्तु से वार कर रकम व नगदी रुपए भी छीन लिए।

झीताबाई ने पुलिस को बताया कि, लुटेरे ने उनके पति के गले में रस्सी लपेटकर बांध दी, जिससे तड़प-तड़प कर कुछ देर बाद पति की मौत हो गई। रविवार सुबह एसपी गौरव तिवारी ने घटनास्थल का अवलोकन किया।

रावटी थाना छेत्र में हुई लूट में मृतक बुजुर्ग सरदार भूरिया।

पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने कहा कि, लाठी व तलवारों से लैस चार-पांच बदमाशों ने वारदात की है। वारदात स्थल गांव से करीब 800 मीटर दूर खेत में है, जहां ये वारदात हुई है। डायल 100 के माध्यम से सूचना मिलने पर रात करीब ढाई बजे ही पुलिस दल मौके पर पहुंच गया था। आरोपितों की गिरफ्तारी पर दस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है।

रतलाम में चाकू मारकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रावटी पुलिस हत्या के मामले में अपराधियों को पडकने की कोशिश में ही लगी थी कि, रतलाम शहर में एक बार फिर अपराधियों ने अपने होने का एहसास करवा दिया कि, पुलिस का कोई खोफउनके मन मे नही है। यहाँ ओसवाल नगर में एक अधेड़ की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि मृतक के बेटे को भी अपराधियों ने चाकू मारकर घायल कर दिया। अपराधियों में से एक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

बताया जा रहा है, मामूली विवाद में चाकुबाज़ी हो गई। ओसवाल नगर में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद घायल को जिला अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलने के बाद भारी पुलिस बल अस्पताल में पहुंच गया था। इन सब के बीच एक आरोपी अपना इलाज करवाने अस्पताल आया तो उसको पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

मामूली विवाद में चले चाकू

मामूली विवाद में दोनों पक्षों की भीड़ हो गई तो शिवम के पिता प्रदीप ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, जिस कारण भीड़ में से किसा ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपियों ने प्रदीप को शरीर में कई जगह चाकू मारे। शिवम को भी चाकू मारे, लेकिन शिवम को मामूली चोट लगी। गंभीर रूप से घायल प्रदीप राठौड़ को शिवम खुद ही अपनी बाइक पर एक अन्य साथी के साथ जिला अस्पताल आने लगा। इसी दौरान संजय कुमावत नामक युवक को उक्त घटना के बारे में पता चला तो वह और शिवम दोनों ही प्रदीप को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में प्रदीप को टांके लगाने के बाद इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया, जहां कुछ देर बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

पूछताछ के लिए ले गई थी पुलिस, बेहोशी की हालत में घर वापस छोड़ा, इलाज के दौरान मौत

रतलाम जिले के बड़ावदा थाना क्षेत्र के ग्राम ठिकरिया के एक व्यक्ति को पुलिस ने कच्ची शराब बेचने की शंका पर पूछताछ के लिए थाने ले गई। थाने ले जाने के एक घण्टे बाद इस व्यक्ति को बेहोशी को हालत में तीन पुलिसकर्मी वापस उसके घर छोड़कर चले गए। परिजनों ने बेहोशी की हालत में पहले बड़ावदा फिर जावरा हॉस्पिटल में इलाज हेतु भर्ती कराया। जहा से इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रतलाम रेफर किया। इलाज के दौरान जिला चिकित्सालय में मौत हो गई। परिजनों द्वारा पुलिस प्रताड़ना ओर मारपीट का आरोप लगाया गया। व्यक्ति को घर से लाने और वापस छोड़ने वाले तीन पुलिस जवानों को एसपी ने निलंबित कर दिया है। मृतक का पीएम डॉक्टरों के पैनल से करवाया गया है।

मामला बड़ावदा के ग्राम ठिकरिया का है। प्रेमसिंह पिता अर्जुनसिंह को बड़ावदा पुलिस के दो जवान उसके घर से पूछताछ के लिए थाने ले गए थे। करीब 1 घण्टे बाद बड़ावदा थाने के तीन जवान दो मोटर सायकिल पर प्रेमसिंह को साथ लेकर आए और उसके घर के बाहर छोड़कर चले गए। घर पर उस समय उसकी पत्नी और बच्चे ही थे। प्रेमसिंह बेहोशी की हालत में था इसकी सूचना प्रेमसिंह की पत्नी ने अपने रिश्तेदारों को दी। पत्नी और रिश्तेदार प्रेमसिंह को लेकर बड़ावदा हॉस्पिटल पहुचे। जहा से उनको जावरा रेफर किया गया। परिजनों ने बड़ावदा पुलिस को सूचना देकर जावरा हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती कराया। जहां से देर रात को प्रेमसिंह की हालत गंभीर होने के कारण इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रतलाम भेजा गया। यहा इलाज के दौरान उसकी देर रात को मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी भी बड़ावदा पहुचे। मामले की जानकारी मिलने के बाद एसपी गौरव तिवारी ने तीन पुलिस जवानों अरुण, दीपक ओर गोविंद को पुलिस लाइन अटेच कर दिया।

मिनी गोवा: दो वर्षों में पर्यटन का केन्द्र बनकर उभरा ग्राम कंवला

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले का ग्राम कंवला 2020 में चर्चा में आया था, जिसका कारण था गांव में बढ़ता पर्यटन। ग्राम कंवला चारो ओर से मां चंबल के आंचल से घिरा है, उसी में गांव का दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र जिस में पर्यटन कि असीम संभावनाएं है। गांव की आबादी क्षेत्र से दूर दक्षिण में चंबल के तट पर दो विशाल शिलाखंड स्थित है। इन शिलखंडो में एबाबिल पक्षी के मिट्टी से बने सुन्दर घरौंदे होने के कारण इन्हें गांव में 'चिड़ी वाला पत्थर' भी कहते है। इन्हीं दो विशाल शिलाखंडो की परिधि में चंबल अपना विराट स्वरूप लिए बहती है। पश्चिमी हवा होने पर चंबल की विशाल, ऊंची-ऊंची लहरें पानी स्थित चट्टानों से अटखेलिया करते हुए रेत को धकेलते हुए किनारों को आकार देती है। इस प्रकार लगातार लहरों की मार से रेत ने जमा होकर किनारों को बीच (इमंबी) का स्वरुप दे दिया है। यही कारण है कि, आने वाले पर्यटक इसे मिनी गोवा की संज्ञा देने लगे है। दिन भर चंबल की लहरे किनारों से टकराकर अपने विराट स्वरूप का एहसास करवाती रहती है। पिछले वर्ष लाखों की संख्या में यहां पर्यटक आए थे, वह दौर फिर से शुरू हो गया, कोरोना काल में मिनी गोवा में पर्यटक आना शुरू हो गए है राजस्थान तरफसे घूमने आते हैं पर्यटक।

वैसे तो मंदसौर जिले में कई पर्यटक स्थल है, मगर कंवला का मिनी गोवा जिले में अपनी अलग ही सुर्खियां बटोरे हुए। इस खबर के प्रकाशन के लिए जब माही गूंज टीम मिनी गोवा पहुंची तो, मिनी गोवा में कई लोग थे। जिसमें से भानपुरा, गरोठ, शामगढ़ व राजस्थान के लोग मौजूद थे। साथ ही नगर परिषद के कर्मचारी भी वहां नजर आए, वे कर्मचारी जो नगर में कोरोना गाईडलाइन का पालन नहीं करने पर लोगो पर चालानी कार्रवाई करते हैं। वह भी वहां बिना मास्क व सोषल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाते हुए नजर आए।

बाबा रामदेव ने ज्योतिष शास्त्र को बताया पाखंड परशुराम सेना ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

माही की गूंज, शुजालपुर।

परशुराम सेना शुजालपुर ने एसडीएम प्रकाश कस्बे को राष्ट्रपति के नाम बाबा रामदेव उर्फरामकिशन यादव द्वारा ज्योतिष मुहूर्त की आलोचना करने पर आक्रोष रूपी ज्ञापन दिया। ब्राह्मण समाज युवा शाखा अध्यक्ष पार्षद प्रवीण जोशी ने ज्ञापन का वाचन किया, जिसमे बताया कि, बाबा रामदेव उर्फरामकिशन यादव के लगातार विवादास्पद बयानों के बाद ज्योतिष शास्त्र को पाखण्ड बताना वेद शस्त्रों के साथ सनातन धर्म का अपमान है। बाबा रामदेव द्वारा एलोपैथी पर दिया अपना बयान वापस लिया गया है, उसी तरह ज्योतिष के ऊपर दिए गए बयान को वापस ले और सनातन धर्मावलंभियो से माफी मांगे। साथ ही राष्ट्रपति से बाबा पर दण्डात्मक कार्रवाई की मांग परशुराम सेना द्वारा की गई।

परशुराम सेना मुख्य प्रबंधन समिति सदस्य ओम पंचोली ने कहा कि, रामकिशन यादव की ब्राह्मण समाज इज्जत करता था क्योंकि वह योग आयुर्वेद से जुड़े है लेकिन अब बाबा अपना मानसिक संतुलन खो चुके है। उन्हें ज्योतिष भी सिर्फएक व्यापार दिखाई देता है। वह धर्म, वेदों की व्याख्या अपने मनमाने तरीके से करना चाहते है, इससे पहले भी बाबा ने रामदेव एक संघर्ष सीरियल के जरिए ब्राह्मणो का अपमान किया था। फिर शनि देव की पवित्र मूर्ति को काला पत्थर बताकर मूर्ति पूजा का विरोध किया था। अब वह एलोपैथी पर विवादित बयान वापस लेने से हुई किरकिरी के बाद ज्योतिष को पाखण्ड बताने पर आ गए है।

जिलाध्यक्ष अनिल पाठक ने बताया कि, ज्योतिष शास्त्र जो कि वेदों जितना ही पुराना है जिसका उल्लेख वेदों में विस्तृत रूप में है, उसको पाखंड बताना वेदों, शास्त्रों के साथ सनातन धर्म का अपमान हैं।

ज्ञापन देने में प्रवीण जोशी, ओम पंचोली, अनिल पाठक, पीयूष शर्मा, रिंकू शर्मा, लखन दुबे, सन्तोष तिवारी, शुभम शर्मा, संजय शर्मा, नितीन मिश्रा, प्रतीक बिड़वाले, अर्पित शर्मा, अंकित शर्मा, देव शुक्ला उपस्थित थे।

निर्माणाधीन गौशाला की दीवार हुई धराशाई

पूर्व दो सरपंचों व ग्रामीणों ने लगाया राजनैतिक श्रय में घटिया निर्माण कार्य का आरोप

सीईओ, सहायक यंत्री मनरेगा व उपयंत्री आरईएस ने घटिया निर्माण होने की लगाई मोहर

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)। साहिल अगवान

जनपद पंचायत भानपुरा की ग्राम पंचायत सांजलपुर में 37 लाख 85 हजार रुपए की लागत से निर्माणाधीन गौशाला की दीवाल घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करने के कारण हल्की सी बारिश व हवा के झोंकों के चलते भरभरा कर धराशाई हो गई।

26 अगस्त 2020 से निर्माणाधीन गोशाला को मनरेगा योजना के अंतर्गत 17 अगस्त 2020 को तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 311118 प्राप्त हुई थी। ग्राम पंचायत सांजलपुर स्थित गोशाला निर्माण स्थल पर उपस्थित ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच हल्दीराम पाटीदार, पूर्व सरपंच नंदलाल गायरी, राधेश्याम चांवडा, रामकरण मीणा, उपसरपंच रघुराज सिंह बरखेड़ी, बाबूलाल चावड़ा पंच वार्ड नंबर 1, भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अजय गौड़, दिनेश शर्मा, समरत मीणा, बंसीलाल बागरी, सत्यनारायण मीणा, राम प्रहलाद मीणा आदि अनेक ग्रामीणों ने माही की गूंज को बताया कि, गोशाला का अत्यंत घटिया निर्माण कर गो-धन के जीवन के साथ सरासर खिलवाड़ किया जा रहा है। हमारी मांग है कि, उच्च क्वालिटी का निर्माण कार्य सांजलपुर ग्राम पंचायत के निवासियों की एक समिति बनाकर समिति की देख-रेख में गोशाला का निर्माण करवाया जाए एवं दोषियों के खिलाफकड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

जनपद पंचायत भानपुरा में पदेन एवं गौशाला निर्माण कार्य की देख-रेख करने वाले उपयंत्री शकील अंसारी एवं सहायक यंत्री मनरेगा सतीश पाठक ने गूंज को गौशाला निर्माण में कुछ सामग्री स्तरहिन प्रयोग किए जाने एवं धराशाही हुई दीवाल को फिर से निर्माण किए जाने की बात कही। साथ ही संपूर्ण निर्मित गौशाला निर्माण की जांच किए जाने की बात कही।

उक्त मामले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भानपुरा मोहनलाल स्वर्णकार ने बताया कि, निर्माण समिति ग्राम पंचायत है सरपंच एवं सचिव को बीती रात हवा एवं आंधी से टूट गई दिवाल बनाने के आदेश दिए हैं। साथ ही स्तरहिन निर्माण पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

वर्षों से समय-समय पर सत्ता पर काबीज जनप्रतिनिधियों एवं दमदार नेताओं के इशारे पर सारे निर्माण कार्य कागजों में कलाकारी करके बड़ी सफाई से दबाव पूर्वक नाम मात्र की एजेंसी बिठाकर घटिया निर्माण करवाकर शासन की लाखों-करोड़ों रूपए की राशि का बड़ा हिस्सा हड़पने का खेल जारी है। जिसे रोका जाना जरुरी है। बता दे कि, उक्त गौशाला निर्माण के ठेकेदार अनुराग वर्मा युवा मोर्चा भानपुरा नगर अध्यक्ष पद पर विराजमान है।

गौशाला के घटिया निर्माण के पीछे प्रभावशाली नेता का हाथ?

उक्त मामले में सरपंच पति नंदलाल बागरी ने बताया कि, उन्हें सत्ता रुड़ प्रतिनिधियों का जैसा आदेश मिल रहा था वे मूक दर्शक बनकर गौशाला के निर्माण में संहयोग करने के लिए बाध्य थे। परंतु अब जब तक उच्च क्वालिटी का निर्माण कार्य नहीं होगा भुगतान नहीं करवाया जाएगा।

एक तरफकेंद्र वह प्रदेश में शिवराज सरकार महिला सरपंचों व जनप्रतिनिधियों को आगे बढ़ाने में लगी हुई है, की महिलाएं जनप्रतिनिधि बनकर अपने अधिकारों को प्राप्त करें। वहीं सरपंच पति नंदलाल बागरी पूरी ग्राम पंचायत का वित्तीय जिम्मा अपने कंधों पर लादकर सरेआम 'सरपंच साहब, सरपंच साहब' का तमगा लेकर तथाकथित प्रभावशाली नेताओं से घटिया भ्रष्टाचार का समझौता करने में लगे रहे। जिनके साथ प्रभावशाली नेता निर्माण कार्यों में अपने लोगों को शामिल करवाने के लिखित समझौते कर रहे हैं। ग्रामीणजन व पूर्व सरपंच हल्दीराम पाटीदार, नंदलाल गायरी, उपसरपंच रघुराज सिंह बरखेड़ी, बाबूलाल चावड़ा पंच वार्ड नंबर 1, भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अजयसिंह गौड़, दिनेश शर्मा, अमृत मीणा, बंसीलाल बागरी, सत्यनारायण मीणा, राम प्रह्लाद मीणा सहित अनेक ग्रामीणजनों ने उपरोक्त निर्माणाधीन सांजलपुर की गौशाला के घटिया निर्माण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग व गौशाला बेहतर ढंग से मजबूत बनाने की मांग क्षेत्रीय विधायक देवीलाल धाकड़ एवं सांसद सुधीर गुप्ता आदि से की है।

तीन अपराधी हुए जिलाबदर

माही की गूंज, मंदसौर। कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट मनोज पुष्प द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आदतन अपराधी इकबाल पिता हकीम खां कुरैशी निवासी मर्दादिन मोहल्ला मंदसौर, प्रदीप पिता अनिल बरगुंडा निवासी बरगुंडा मोहल्ला खानपुरा मंदसौर, सनी पिता प्रदीप सिंह चौहान निवासी शीतला माता मंदिर के पास चंद्रपुरा मंदसौर एवं पुखराज उर्फ बलिया उर्फ बालू पिता पुरुषोत्तम बलाई निवासी चंद्रपुरा मंदसौर को तीन-तीन माह की अवधि हेतु जिलाबदर करने संबंधी आदेश जारी किए गए। आदेशानुसार यह लोग बिना सक्षम अधिकारी को सूचना दिए/अनुमति प्राप्त किए मंदसौर जिले की सीमा में दाखिल नहीं हो सकेंगे।

वर्चुअल रोजगार मेला

माही की गूंज, झाबुआ। कोविड-19 संक्रमण में बेरोजगार आवेदकों के लिए वर्चुअल रोजगार मेले का आयोजन दिनांक 11.6.2021 को किया जा रहा है। इस वर्चुअल रोजगार मेले में 5 वीं से 12 वीं पास युवक, युवतियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाऐंगे। इच्छुक व योग्य युवक, युवतियां सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिए गए नंबरों पर वीडियो या ऑडियो कॉल भी कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जमीन विवाद में भाई की हत्या करने वाले आरोपियों को आजीवन कारावास

माही की गूंज, अलीराजपुर। अपर सत्र न्यायाधीश जोबट द्वारा जमीन विवाद में भाई की हत्या करने वाले आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना 8 दिसम्बर 2019 की ग्राम बड़ी हिरापुर की हैं। फरियादी महिला के पति जुवानसिंह के भाई मेहताब व मगन दोनों ने जमीन देने की बात पर जुवानसिंह पर हथियार से वार किए जिससे जुवानसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। फरियादी ने घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना जोबट में की। पुलिस द्वारा दोनों आरोपीगण के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302, 34 में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया। आरोपीगण के विरूद्ध संपूर्ण विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र जोबट न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय में अभियोजन साक्षियों के समर्थन के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश जोबट द्वारा आरोपीगण मगन व मेहताब को आजीवन कारावास एवं 2-2 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। अर्थदण्ड की रा जमा नहीं करने पर छः-छः माह के अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगताये जाने का निर्णय दिया गया। अभियोजन की ओर प्रकरण का संचालन सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी राजेन्द्र मण्डोड़ द्वारा किया गया।

निर्मला भूरिया को प्रदेश कार्यसमिती सदस्य बनाये जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

माही की गूंज, पेटलावद। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने अपनी टीम में झाबुआ जिले की पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदेश मंत्री निर्मला भूरिया को प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य नियुक्त किया है। जिससे क्षेत्र के भाजपा नेता और कार्य कर्ताओं में हर्ष का माहौल है, मण्डल महामंत्री संजय कहार ने बताया कि, निर्मला दीदी को प्रदेश कार्यसमिति में स्थान देकर भारतीय जनता पार्टी झाबुआ जिले का एवं जिले के समस्त कार्यकर्ताओं का मान व सम्मान बढ़ाया है।

जिला अस्पताल में अब 291 बेड खाली

माही की गूंज, खरगोन। जिला चिकित्सालय में अब भी लगातार ऑक्सीजन सप्लाय की जा रही है। मंगलवार प्रातः 9 बजे से बुधवार प्रातः 9 बजे तक कुल 45 ऑक्सीजन सिलेण्डर प्राप्त हुए हैं। अब यहां स्टॉक में 394 सिलेण्डर हो गये है। सीएमएचओ कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को 1 मरीजों को रेमडेसिविर इंजेक्शन लगाए गए। अब जिला अस्पताल में कुल 33 इंजेक्शन शेष है। बुधवार को जिला चिकित्सालय में कोई भी नए पॉजिटिव मरीज को भर्ती नहीं किया गया है। बुधवार को किसी भी मरीज को न तो उमरखली रोड़ स्थित कोविड केयर सेंटर में भेजा गया और नहीं होम आइसोलेसन के लिए। साथ ही न तो जिला चिकित्सालय के एचडीयु में भर्ती किया गया और नहीं किसी मरीज को इन्दौर रेफर किया गया। अब जिला चिकित्सालय में 06 पॉजिटिव मरीज भर्ती है और 291 बेड खाली हैं। यहां 13 संदिग्ध मरीज, 1 आइसोलेशन पॉजिटिव, 4 आइसोलेशन संदिग्ध, 1 पॉजिटिव मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर 7 संदिग्ध मरीज ऑक्सीजन पर है। वहीं 4 पॉजिटिव मरीज और 2 संदिग्ध मरीज आईसीयु में भर्ती है।

22 लाख रुपए किसानों को नहीं लौटाने पर 3 व्यापारी जाएंगे जेल

माही की गूंज, बड़वानी। एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर ने तलवाड़ा बुजुर्ग के तीन व्यापारी को कड़ी चेतावनी देते हुए अगले मंगलवार तक किसानों से सब्जी खरीदने की शेष राशि 22 लाख रुपये अपने समक्ष लौटाने के निर्देश दिए है। ऐसा नही होने पर तीनों व्यापारियों को अमानत में खयानत एवं धारा 420 तथा 151 के तहत जेल भेजने की चेतावनी दी है।

घटनाक्रम अनुसार तलवाड़ा बुजुर्ग के तीन व्यापारी कमल बद्रीलाल चोयल, हेमंत बद्रीलाल चोयल तथा विनोद गोपाल काग ने ग्राम के 21 किसानों से लगभग 33 लाख रुपये की सब्जी खरीदी थी। किन्तु वादा अनुसार उसका पैमेंट नही किया था। जिस पर से किसानों ने एसडीएम बड़वानी के समक्ष 9 मार्च को शिकायत दर्ज करवाई थी। उस वक्त संबंधित व्यापारियों ने एसडीएम के समक्ष उपस्थित होकर 15 दिन में उक्त राशि वापस करने का आश्वासन दिया था। किन्तु वादा अनुसार राशि वापस ना करते हुए सिर्फ11 लाख रुपये का ही भुगतान किसानों को किया गया। इस पर से उक्त किसानों का प्रतिनिधि मण्डल आज पुनः एसडीएम के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई जिस पर एसडीएम ने संबंधित व्यापारियों को बुलाकर आपसी सहमति से अगले मंगलवार को उनके समक्ष शेष 22 लाख रुपये किसानों को वापस करने की मोहलत दी है। ऐसा नही होने पर तीनों व्यापारियों को जेल भेजने की चेतावनी दी है।

कलेक्टर तथा एसपी ने ईवीएम-वीवीपेट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में कलेक्टर सोमेश मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर अनिल भाना द्वारा पोलेटेक्नीक कॉलेज झाबुआ में स्थापित ईवीएम-वीवीपेट वेयर हाउस का निरीक्षण किया तथा संधारित रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। यहां पर मशीनों के सुरक्षित संधारण, सुरक्षा के संबंध में बाहरी तथा आंतरिक निरीक्षण किया गया। जिला कांग्रेस के तरफसे जितेन्द्र शाह उपस्थित थे। इस दौरान कार्यपालन यंत्री लोक निमार्ण विभाग विजय पंवार, अनुविभागीय अधिकारी पीडब्लूडी डीके शुक्ला, प्राचार्य पोलेटेक्नीक कॉलेज झाबुआ गिरिश गुप्ता तथा निर्वाचन सुपर वाईजर प्रकाश सिर्गाडिया, जीवनबाला जैन उपस्थित थे।

डकिते के राज में मनरेगा पर डाका, खबर लगाने के बाद दादागिरी से चली जेसीबी

अधिकारी को जानकारी दी तो जेसीबी की रवाना, जीएसबी मार्ग का बिना मूल्याकंन के हो रहा है भुगतान

माही की गूंज, पेटलावद।

मनरेगा योजना में अधिकारी इस कदर चांदी काट रहे हैं कि, कोई भी शिकायत या खबर का अधिकार की सेहत पर कोई असर नही पड़ता। माही की गूंज के पिछले अंक में झावलिया पंचायत में बन रहे आरईएस विभाग के तालाब में जेसीबी द्वारा कार्य करने का वीडियो आने और खबर प्रकाशित होने के बाद भी जबाबदार अधिकारी और कार्य के उपयंत्री द्वारा फिर से शनिवार को जेसीबी द्वारा कार्य करवाया गया। लेकिन इस बार पुरी दादागिरी से की कई इसके फोटो व वीडियो बनाकर कार्य रोक नही सके। कुल मिलाकर आरईएस के एसडीओ डकिते के राज में मनरेगा में डाका जारी रहेगा ये तय है, मनरेगा में जेसीबी चलने की जानकारी मिलने के बाद गूंज के द्वारा इसको जानकारी एसडीओ आरईएस और ई आरईएस मंडलोई साब को दी गई। सोचा था ईमानदार अधिकारी कोई कार्यवाही करेगे लेकिन थोड़ी देर बाद पता चला कि, मशीन अधिकारी द्वारा दी गई सूचना के बाद मौके से हटा दी गई।

4 दिन में बन गया जीएसबी रोड, बिना मूल्यांकन के हो रहा भुगतान

आरईएस विभाग के अंतर्गत सुवरपाड़ा मुख्य मार्ग से गुरुकुल स्कूल तक बनने वाला लगभग 20 लाख की लागत का जीएसबी मार्ग चार दिन में तैयार हो गया और उक्त मार्ग पर चार हप्ते के मजदूरी के मस्टर जारी हुए है। जबकि मौके पर आज तक कोई कार्य मजदूरों से नही हुआ है। रोड़ के आस-पास जेसीबी द्वारा मोरम खोद कर डाले जाने के निशान साफदेखे जा रहे हैं। ग्रामीणों का भी कहना है कि, हमने आते-जाते मार्ग पर किसी मजदूर को कार्य करते नही देखा है। कार्य के उपयंत्री पवन गुप्ता का कहना है कि, फिलहाल कार्य बन्द है और किसी प्रकार के मस्टर जारी नही हो रहे हैं, कार्य पर जेसीबी चलने की जानकारी मुझे नही है। जानकारी मिली है कि, उक्त मार्ग वर्ष 2007-08 में मय पुलिया के बन चुका है और मार्ग की स्थिति अच्छी थी और नए निर्माण की आवश्यकता भी नही थी लेकिन फिर भी बंदरबाट के चक्कर मे विभाग, अघोषित ठेकेदार और उपयंत्री ने मिल कर रोड फिर से स्वीकृत कर दिया उपयंत्री पवन गुप्ता का कहना है कि, रोड पहले बन चुका है इसकी जानकारी मुझे नही है।

बिना मूल्यांकन के हो रहा भुगतान

आरईएस विभाग के माध्यम से वर्तमान में दो करोड़ से अधिक के मनरेगा के काम चल रहे हैं, जिनको ज्यादातर अघोषित ठेकेदार द्वारा मशीनों से बना दिया। कार्य का मूल्यांकन नहीं हुआ और भुगतान होना शुरू हो गया। आरईएस एसडीओ डकिते का कहना है कि बिना मूल्यांकन के भुगतान नहीं होता है अगर मस्टर निकले हैं और उपयंत्री ने मूल्यांकन किया है तो ही भुगतान होगा अगर ऐसा हो रहा है तो में दिखवाता हुं।

जनपद कार्यालय में बिरसा मुंडा के 121 वें शहादत दिवस पर श्रद्धा सुमन किए अर्पित

माही की गूंज, मेघनगर। बुधवार को जनपद कार्यालय मेघनगर में भगवान बिरसा महामानव धरती आबा सूर्यकांति प्रथम स्वतंत्रता सेनानी जल जंगल जमीन के रक्षक वीर शहीद भगवान बिरसा मुंडा साहब के 121 वे शहादत दिवस पर आदिवासी समाज के कार्यकर्ताओं व आदिवासी कर्मचारियों अधिकारियों के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर फूल माला अर्पित किए गए।

जनपद सीईओ श्री रावत ने बताया कि, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अपने अद्भुत साहस व अथक पुरुषार्थ से न सिर्फवंचित वर्ग के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया, बल्कि आदिवासी समाज को संगठित कर अंग्रेजों के विरुद्ध उलगुलान आंदोलन का बिगुल फूंक आजादी की लड़ाई में अमूल्य योगदान दिया। ऐसे पराक्रमी जननायक को उनकी पुण्यतिथि पर पूरा समाज कोटि-कोटि नमन करता है। श्रद्धा सुमन अर्पित करने में अनिल कटारा, महेंद्र सिंह भाबर, किरण सिंह परमार, दिनेश वसुनिया, थॉमस भूरिया, अपसिंह वसुनिया, कमल सिंह नायक, शंकर लाल सोनी, सरपंच बसना डामोर, शैतान सिंह डामोर, सरपंच नाथू निनामा, सचिव संघ अध्यक्ष टक्के सिंह नायक, मोहन भूरिया, सज्जन सिंह कंटालिया, सेतिया गणावा, मनोहर भूरिया, राकेश भूरिया, महेश कटारा, रजनी मेडा, रेजिना चरपोटा आदि उपस्थित थे।

सानडा टायर फैक्ट्री जो कागज में तो बंद, लेकिन वास्तव में आज भी चल रही

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की भानपुरा तहसील की ग्राम पंचायत सानडा टायर फैक्ट्री जो कागज में तो बंद है लेकिन जो वास्तव में आज भी चल रही है। भानपुरा तहसील की ग्राम पंचायत सानडा में अवैध रूप से संचालित टायर फैक्ट्री लोगों के लिए समस्या का कारण बन रही है फैक्ट्री में हुए हादसे के बाद एस.डी.एम ने इस फैक्ट्री को बंद करा दिया गया था। उसके बावजूद भी फैक्ट्री संचालित की जा रही है जिस से उठता है धुआ लोगों के लिए मुसीबत का कारण बना हुआ है। एस.डी.एम द्वारा बंद करने के आदेश के बावजूद भी फैक्ट्री का चलना प्रशासन की कार्य प्रणाली पर संदेह पैदा करता है। इससे परेशान होकर ग्रामीण जन कई बार शिकायत कर चुके हैं मगर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई न होना।

ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाया गया है कि यह फैक्ट्री आसपास के लोगों के स्वास्थ्य के लिए और पर्यावरण के लिए हानिकारक है। इसके विषेले दुए के कारण छोटे नागपुर के नाम से प्रसिध्द क्षेत्र की संतरो के बगीचे बर्बाद हो रहे है

गाव के सरपंच प्रतिनिधि राजेन्द्र सिंह ने बताया कि यह फैक्ट्री पूर्ण रूप से बंद होनी चाहिए नहीं तो आने वाले समय में इसके चलते यहां के लोगों स्वास्थ्य पर भुरा प्रभाव पड़ेगा

ग्रामीण कारुलाल आंजना, गोविंद सिंह मीणा, रोहित शर्मा, सुरेन्द्र सिंह चौहान, नेपाल सिंह चौहान सभी ग्रामीण लोग यह मांग करते है कि, प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस समस्या का समाधान जल्दी से जल्दी करवाए अन्यथा हमारी ग्राम पंचायत अनिश्चित कालीन हड़ताल करेगी।

बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर पंचमुखी हनुमान गिरी पर किया पौधारोपण

माही की गूंज, बड़वानी।

बिरसा मुंडा ऐसे कर्म योगी क्रांतिकारी थे जिन्होंने अपने सेवा कार्य एवं राष्ट्र सेवा के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई तथा कर्म से ही वह भगवान के रूप में पूजे जाने लगे। उन्हें लोग धरती बाबा के नाम से भी पुकारते थे। ऐसे ही कर्म योगियों का यदि हम किंचित भी अनुसरण करें तो निश्चित ही हम अपने दायित्व का निर्वहन करने में अपने आप को सहज महसूस करेंगे।

एसडीएम बड़वानीघनश्याम धनगर ने बिरसा मुंडा जी के शहादत दिवस पर आशा ग्राम की पहाड़ी पर पौधारोपण करने के दौरान उक्त बातें कहीं।

इस अवसर पर आशा ग्राम के सचिव डॉ एसएन यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित पहला बिरसा मुंडा पुरस्कार आशा ग्राम के कर्म योगी स्वर्गीय श्री हीरालाल शर्मा को दिया गया था। आडंबर से दूर समाज सेवा को मूर्त रूप देने के लिए हीरू भाई भी अपनी एक अलग पहचान रखते थे। इस दौरान ग्रीन लंग्स अर्थ फाउंडेशन के राजेंद्र पिपरे, नगर पालिका सीएमओ कुशल सिंह डोडवे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मलेरिया जागरूकता रथ सतत् ग्रामीण क्षेत्रों में कर रहा है भ्रमण

माही की गूंज, बड़वानी

जिले में चल रहे मलेरिया माह के तहत जनजागृति की गतिविधियॉ की जा रही है। इसके तहत जहॉ प्रचार रथ के माध्यम से ग्राम - ग्राम पहुंचकर जागृति के तहत लोगो को घर के आस-पास एवं छत पर रखे बर्तनों में पानी जमा नहीं होने देने की सलाह दी जा रही है। वहीं कूलर को भी अनिवार्य रूप से सप्ताह में एक दिन खाली कर पुनः भरने की सलाह दी जा रही है। साथ ही ऐसे कुण्ड या पोखर जिन्हें खाली नहीं किया जा सकता। उनमें लार्वा भक्षी गम्बूसिया मछली डाली जा रही है, जिससे मच्छरो के लार्वा को यह खाकर जैविक पद्धति से मलेरिया, डेंगू, चिकन गुनिया जैसी बिमारियों की रोकथाम कर सके ।

मंगलवार को इन्हीं गतिविधियों के तहत विकासखण्ड के राजपुर के ग्राम इन्द्रपुर, ओझर, बिल्वा, पानवा, लिम्बई में भी मलेरिया रोधी जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को मलेरिया को फैलाने वाले मच्छरों की रोकथाम के बारे में पोस्टर, आडियो के माध्यम से जागरूक किया गया।

15 जून से आरंभ होगा मूंग का उपार्जन- मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री ने किया मूंग और उड़द खरीद के पंजीयन का शुभारंभ

माही की गूंज, बड़वानी।

मंगलवार को आयोजित वीडियों कांफ्रेंसिंग में एनआईसी बड़वानी के माध्यम से कलेक्टर श्री शिवराजसिंह वर्मा, उप संचालक कृषि श्री केएस खपेड़िया सहित किसान भाईयों ने भाग लिया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद के लिए पंजीयन आज 8 जून से आरंभ किया जा रहा है। मूंग का उपार्जन 15 जून से आरंभ कर दिया जाएगा। ग्रीष्म-कालीन मूंग के दामो में आ रही कमी को देखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य 7 हजार 196 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। खरीदी 90 दिन जारी रहेगी। ये निर्णय किसानो के हित के संरक्षण और कल्याण के उद्देश्य से लिए गए हैं। हमारी सरकार किसानो की सरकार है। खेती को लाभ का धंधा बनाना और किसानो की आय को दुगुना करना हमारी प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान मूंग और उड़द खरीद के पंजीयन के शुभारंभ अवसर पर किसानो को मंत्रालय से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल भी शामिल थे।

अल्पकालिक फसल ऋण की अदायगी 30 जून तक कर सकेंगे किसान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानो की आय दुगुनी करना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना है। राज्य सरकार इस दिशा में सभी प्रयास कर रही है। उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत कम करने, किसानो को उचित मूल्य दिलाने और आपदा की स्थिति में सहायता देने जैसे कार्य राज्य सरकार द्वारा तत्परता से किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारा प्रयास है कि किसान नई तकनीक का उपयोग करें। सिंचाई क्षेत्र का अधिक से अधिक विस्तार है। वर्तमान में प्रदेश में 42 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध है, इसे 65 लाख हेक्टेयर तक ले जाना है। बिजली की उपलब्धता भी पर्याप्त है। इन सुविधाओ से किसानो के लिए तीन फसलें लेना आसान हुआ है। कम ब्याज पर ऋण की व्यवस्था भी उत्पादन की लागत घटाने के उद्देश्य से की गई है। इस क्रम में लघु और छोटे किसानो की सुविधा को देखते हुए सहकारी समितियो द्वारा वितरित अल्पकालिक फसल ऋणो की अदायगी की तिथि को बढ़ाकर 30 जून किया गया है।

मूंग खरीदी 90 दिन तक जारी रहेगी

रूकोरोना से बचाव की सावधानियो का पालन जरूरी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के कठिन काल में भी राज्य सरकार द्वारा चना, मूसरऔर सरसो की खरीदी 15 मार्च से आरंभ करने का निर्णय लिया गया था । इससे किसानो को अच्छे भाव मिले। अब मूंग की फसल बरसात में खरीदनी होगी। इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। उन्हीं केन्द्रों पर खरीदी होगी जहाँ मूंग को सुरक्षित रखने की व्यवस्था है। प्रदेश में पर्याप्त स्थानो पर खरीदी केन्द्र खोले जाएँगे। खरीदी की प्रक्रिया 90 दिन तक जारी रहेगी। कोरोना संक्रमण को देखते हुए यह आवश्यक है कि उपार्जन केन्द्रों में अधिक भीड़ न हो। मास्क लगाये जायें और परस्पर दूरी बनाए रखी जाए।

विशेष न्यायाधीश ने किया केन्द्रीय जेल का निरीक्षण

विधिक जागरूकता शिविर में दी बंदियों को जानकारी

माही की गूंज, बड़वानी।

विशेष न्यायाधीश श्री दिनेशचन्द्र थपलियाल ने मंगलवार को केन्द्रीय जेल बड़वानी का निरीक्षण किया। इस दौरान न्यायाधीश थपलियाल ने बंदियों की भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही बंदियों से कोरोना वैक्सीनेशन की जानकारी भी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर बंदियों को उनके अधिकारी, प्लबारगेनिंग, निःशुल्क अधिवक्ता, लीगल एड क्लिनिक, विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। शिविर में पैरालीगल वालियंटर्स श्रीमती हर्षा परमार ने बंदियों को एचआईवी एड्स की जानकारी देकर उसके बचाव के बारे में जागरूक किया।

पैरालीगल वालियंटर श्रीमती अनिता चोयल ने बंदियों को कोरोना से बचाव एवं निःशुल्क अधिवक्ता कैसे प्राप्त कर सकते है, इसके बारे में बताया।

शिविर में जेल अधीक्षक डीएस अलावा, उप अधीक्षकएसबी शरण, सहायक जेल अधीक्षक डीके पगारे, विनय काबरा सहित विधिक सेवा प्राधिकरण से अर्जुन परमार उपस्थित थे।

बाजार खुले, भीड़ बड़ी, कहीं पुनः न बढ़ जाए संक्रमितों की संख्या

अनलॉक होते ही प्रशासनिक अमला गायब

माही की गूंज, आम्बुआ।

कोरोना महामारी से जूझ रहे क्षेत्र में विगत महीनों से कोरोना कर्फ्यू (लॉकडाउन) शासन-प्रशासन द्वारा लगाया जाकर कोरोना के संक्रमण की चेन को तोडने का प्रयास किया गया, जो कि सफल भी रहा। अब क्षेत्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या कम हो जाने के कारण शासन-प्रशासन ने शर्तों के साथ बाजार खोलने का ऐलान किया। ऐसा करते ही बाजारों में बेहताशा भीड़ नजर आने लगी, भीड़ में कोरोना गाईडलाइन का खुलकर उल्लंघन होते देखा जा रहा है जो कि, चिंता का विषय हो सकता है। अनलॉक होते ही प्रशासनिक अमला भी गायब हो गया, अब गाईडलाइन का पालन कौन करवाएगा?

जैसा की विदित है, विगत डेढ़ माह से क्षेत्र में कोरोना कर्फ्यू लगाकर क्षेत्र को लॉकडाउन किया गया था, जिस कारण रोजमर्रा के सामान की किल्लत के साथ ही छोटे-बड़े व्यवसायियों की हालत पतली होती जा रही थी। ग्राहकों को मनमाने भाव पर कई सामग्री बेची जा रही है, माल की आवक नहीं होने के बहाने सामान ऊंचे से ऊंचे भाव पर बिक रहा है। शासन द्वारा 1 जून से क्षेत्र में लॉकडाउन हटाया गया, जिसमें कुछ व्यवसाय को छोड़कर लगभग सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान खोल दिए हैं। आम्बुआ में भी लगभग सभी प्रकार के व्यवसाय हो रहे हैं अनलॉक होते ही बाजार भीड़ देखी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों शादी की धूम मची है, इसके लिए ग्रामीण विवाह संबंधित सामान खरीदने तो आ रहे हैं मगर उनके साथ आ रही भीड़ तथा सामान विक्रेता, कई व्यापारी बगैर किसी सुरक्षा के खरीद-बिक्री में लगे हैं। जिस कारण कोरोना गाईडलाइन की धज्जियां उड़ती देखी जा सकती है। अनलॉक होते ही जो प्रशासनिक अमला 30 मई तक मुस्तैदी से ड्यूटी कर रहा था, वह भी कहीं नदारद हो गए हैं, जिस कारण बाजार में मनमानी का आलम है। दिन भर हो रही भीड़ को नियंत्रित करने वाला कोई नजर नहीं आने के कारण यह बढ़ती भीड़ चिंता का विषय बनती जा रही है। विगत महीनों से प्रशासन स्तर पर भी कई सख्ती के कारण क्षेत्र में कोरोना का ग्राफनीचे गिरा तो है, मगर अब कहीं पुनः वही स्थिति न बन जाए। इसके लिए व्यवसाई तथा ग्राहकों को अपनी जवाबदारी समझना होगी, साथ ही प्रशासन स्तर पर अभी भी सख्ती की जरूरत महसूस की जा रही है ताकि लोग कोरोना गाईडलाइन का पालन कर स्वयं तथा आस-पास के लोगों को सुरक्षित रख सके तथा भविष्य में आने वाली कोरोना की तीसरी लहर से सुरक्षित रखा जा सके।

पूरे उत्साह के साथ टीकाकरण सेन्टरों पर वैक्सीनेसन के लिए पहुंच रहे आमजन

माही की गूंज, अलीराजपुर। जिले में नगरीय क्षेत्र के साथ-साथ कस्बाई पंचायतों और ग्राम स्तर पर टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में 18 वर्ष से अधिक आयु के समस्त व्यक्तियों को टीकाकरण किया जा रहा है। जिले के 18 वर्ष से अधिक आयु के शत प्रतिशत व्यक्ति टीकाकरण कराए इसके लिए अधिकारी-कर्मचारीगण और मैदानी अमले के साथ-साथ जनप्रतिनिधिगण, कोरोना वालेन्टीयर्स लगातार जन जागरण के प्रयास कर रहे है। साथ ही जिलेवासियों को कोरोना से बचाव हेतु आवयक सावधानियां रखने की जानकारी देकर लगातार जागरूक किया जा रहा है, जिसमें मास्क लगाने, सामाजिक दूरी का पालन करने तथा हाथों को साबुन अथवा सेनेटाइजर से थोडे-थोडे समय में साफकरने का आह्वान किया गया। जागरूक के लगातार प्रयासों के फलस्वरूप नगरीय के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण कराने हेतु आमजन और ग्रामीणजन आगे आ रहे है।

वहीं जिले के दूरस्थ क्षेत्र ग्राम साकडी में मैदानी अमले के प्रयास रंग ला रहे है। यहां ग्राम पंचायत के अमले और अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों के प्रयास सफल हो रहे है। ग्राम पंचायत साकड़ी में डॉअभिषेक भट्ट, एएनएम श्रीमती शांन्ति सस्तिया, श्रीमती प्रिन्सकिला परमार, ग्राम पंचायत सचिव श्री सुजनसिंह सस्तिया, ग्राम रोजगार सहायक श्री बेनिदयाल सोलंकी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति सुरमा जमरा, श्रीमति पारली सोलंकी, श्रीमति रेखा डावर, श्रीमति कलारी सस्तिया, श्रीमति कारली खरत, श्रीमति रूमली कनेश, श्रीमति गिना सोलंकी, श्रीमति दीपिका सस्तिया, नीरू सस्तिया, रमिला रावत आदि द्वारा ग्राम के घर-घर जाकर ग्रामीणों को कोरेना से बचाव हेतु जागरूक किया जाकर टीकाकरण कराने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे है। इन्ही प्रयासों का परिणाम हुआ कि सोमवार को ग्राम के 44 से अधिक व्यक्तियों ने कोरोना से बचाव का टीका लगवाया। टीकाकरण कराने के बाद उक्त ग्रामवासियों ने भी अन्य ग्रामीणों को टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

बच्चे के जन्मदिन पर की मिशन लुकमा की शुरुआत

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अपनी ममता और प्रेम को समेटे हुए पौधे से वट वृक्ष का रूप लेते हुए ''पहल मिशन लुकमा'' की मंगलवार को द सेवियर ह्यूमन राइट्स एनजीओ की प्रदेश उपाध्यक्ष लुबना बेलीम खान के भतीजे 'रुहान बेलीम' के जन्मदिन के अवसर पर तिखी ईमली स्थित बस्ती में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए बच्चों को भोजन करा कर जन्मदिन मनाया।

द सेवियर ह्यूमन राइट्स एनजीओ प्रदेश उपाध्यक्ष लुबना बेलीम खान ने बताया कि, हम हर वर्ष जन्मदिन इसी तरह बच्चों के बीच मनायएंगे, इससे हमारी खुशियां दोगुनी हो जाती हैं और बच्चों को भी बहुत खुशी होती है। हम सभी बेहद खुशी महसूस करते हैं, जिससे बच्चों में काफ़ी उत्साह बना हुआ था। यहाँ इतने सारे छोटे बच्चे होते हैं जो शायद ही कभी अपना जन्मदिन मनाते हों, ऐसे मौके पर हम सभी के लिए यह एक खुशी का मौका होता है। सभी साथ मिल कर जन्मदिन मनाते हैं, सभी बच्चे एक साथ मिल कर एक दुसरे के साथ खेलते हैं और काफ़ी मस्ती भी करते हैं।

मिशन लुकमा का हुआ आगाज

प्रदेश उपाध्यक्ष लुबना बेलीम खान ने जानकारी देते हुए बताया कि, मिशन लुकमा के संस्थापक शकील और जिला अध्यक्ष इरशाद मंसूरी द्वारा मिशन लुकमा अलीराजपुर में शुरू किया जाएगा। जिसमे गरीब लोगों को निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की जाएगी और दुरभाष नम्बर जारी किया जाएगा, जिससे उन्हें भोजन के लिए यहां-वहां भटकना नही पड़ेगा। मिशन लुकमा की असल कामयाबी इसके पीछे मदद करने वाले हाथो की है, हम तो सिर्फएक जरिया है देने वाले हाथो से, लेने वाले हाथो तक का, बेशक रिज्क का वादा तो अल्लाह ही का है लेकिन हमारी खुशनसीबी है की हम सभी इसका एक बेहतरीन जरिया बने है।

उक्त मौके पर हिरेन बड़ोदा ने कहा कि, एनजीओ की सराहनीय पहल है। इससे कोई भी गरीब भूखे पेट नहीं सोएगा, सभी को भरपेट भोजन मिलेगा। समाजसेवी की यह मानवता के लिए यह अच्छी पहल है, सभी को गरीबों की मदद के लिए आगे आने की जरूरत है। जिससे हमारे समाज का कोई भी गरीब भूखा प्यासा नहीं रहे, हर गरीब को बिना पैसे भोजन मिलेगा। इस मौके पर सलमा, शाहीन, रोशनी डोडवे, राजश्री, वसीम, निरत शाह बड़ोदा, रवि सोलंकी आदि उपस्थित रहे।

राशन दुकान पर हितग्राहियों को कम राशन देने पर भड़के विधायक

जिले में राशन की हेरा-फेरी का गोरखधंधा जोरो पर- विधायक पटेल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में गरीबों के हक के राशन की कालाबाजारी रोकने में प्रशासन पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है। जिम्मेदार विभाग की मिलीभगत के बगैर राशन की कालाबाजारी असंभव है। परंतु जब जिम्मेदार विभाग के ऊंचे ओहदों पर बैठे अधिकारी और कर्मचारी राशन की कालाबाजारी के संबंध में सब कुछ जानते और समझते हुए संरक्षण देकर दोषियों के बचाव का रूख अपनाकर अपनी ड्यूटी निभाएंगे तो, इस प्रकार की कालाबाजारी को कोई नहीं रोक सकता है। उक्त बात विधायक मुकेश पटेल ने छकतला क्षेत्र के ग्राम कंथारी में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के निरीक्षण के दौरान मिली अनियमित्ता के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति में कही।

16 किलो अनाज कम दिया हितग्राही को

दरअसल सोमवार को विधायक पटेल क्षेत्र के भ्रमण पर थे। इस दौरान आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित छकतला द्वारा संचालित ग्राम कंथारी की शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर अचानक निरीक्षण करने पहुंचे। यहां उन्होने हितग्राहियों से राशन वितरण के संबंध जानकारी ली तो पता चला कि, एक हितग्राही को निर्धारित मात्रा से 16 किलो कम राशन दिया गया। इसी प्रकार कई हितग्राहियों को कम राशन देकर राशन की हेरफर किए जाने की बात ग्रामीणों ने कही। निरीक्षण के दौरान विधायक पटेल ने देखा कि, ऑनलाइन प्रक्रिया भी नहीं अपनाई जा रही थी और ऑफलाईन के रूप में वितरण का रजिस्टर आदि में किसी भी प्रकार से रिकार्ड नहीं रखा जा रहा था।

अनाज माफियाओं पर नकेल कसने में नाकाम प्रशासन

विधायक पटेल ने कहा कि, कोरोना के इस संकट काल में एक तरफ तो केंद्र और राज्य सरकार दीवाली तक गरीबों को मुफ्त राशन देने का ऐलान कर रही है। परंतु जिले में अनाज माफियाओं पर नकेल कसने में जिला प्रशासन और खाद्य विभाग पूरी तरह से नाकाम हो गया है। यदि प्रशासन निष्पक्ष और पारदर्शिता व्यवस्था का दावा करता है तो पिछले वर्ष से अब तक जितना भी राशन गरीबों को वितरण के लिए आया है उसके वितरण का भौतिक सत्यापन हर पंचायत में करवा ले। यदि इस प्रकार की निष्पक्ष जांच सरकार और प्रशासन करवाएं तो जिले में बहुत बडा राशन घोटाला उजागर होगा। विधायक पटेल ने कहा कि, जिले के आम गरीब आदिवासियों के भोलेपन का फायदा कुछ अधिकारी, कर्मचारी और अनाज माफिया उठा रहे है। उन्होने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि, यदि हर पात्र परिवार और हितग्राही को निर्धारित मात्रा में राशन नहीं दिया गया तो इस मामले को कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएगी। उन्होने जिले के हर पात्रताधारी हितग्राही से आव्हान किया कि, यदि उन्हे शासन द्वारा निर्धारित मात्रा में राशन नहीं मिलता है और दुकानदार द्वारा कम राशन दिया जाता है तो तुरंत मुझे शिकायत करे। इसके बाद मय प्रमाणों के साथ जिला प्रशासन को अवगत करवाया जाएगा। यदि फिर भी स्थिति में सुधार नहीं हुअ तो गरीबों के हक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

प्री-मानसुन से हुई बारिश

माही की गूंज, आम्बुआ। क्षेत्र में इन दिनों तेज गर्मी के कारण सभी परेशान थे, लेकिन विगत दो दिनों से आसमान पर छा रहे बादल जो कि बूंदाबांदी कर रहे थे मंगलवार शाम अचानक तेज हवा आंधी के साथ ऐसे बरसे कि क्षेत्र तरबतर हो गया। इस प्री-मानसून वर्षा के कारण गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली है। 2 जून को नवतपा समाप्त हुआ, बार-बार बदलते मौसम के मिजाज के कारण नवतपा कब गुजर गया पता ही नहीं चला। विगत 2 दिनों से आसमान पर बादल छा रहे थे आसमान में बादलों की गड़गड़ाहट तथा बिजली की चमक से बारिश का जैसा अनुमान लगाया वैसे ही 4 जून को अचानक तेज हवा आंधी के साथ जमकर बारिश हुई जो कि लगभग 2 घंटे तक होती रही, जिस कारण संपूर्ण क्षेत्र तरबतर हो गया। प्री-मानसून की इस बारिश से खेत तरबतर हो गए, आगामी फसल की तैयारी कर रहे कृषको ने राहत की सांस ली। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में हो रहे विवाह समारोह पर पानी फिर गया, कई स्थानों पर बारात में भगदड़ मची तो टेंट-तंबू भी उखड़ गए। इस बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

फ्लाइट को हाईजैक कर पाकिस्तान ले जाने की दी धमकी

माही की गूंज, शुजालपुर। भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर अज्ञात शख्स द्वारा दो फ्लाइट को हाईजैक करने का कॉल जैसे ही आया, भोपाल और इंदौर दोनों एयरपोर्ट पर हड़कम्प मच गया और तुरंत ही सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट पर आ गई। एयरपोर्ट टर्मिनल मैनेजर को आए फोन कॉल पर धमकी देने वाले शख्स ने प्लेन हाइजेक कर पाकिस्तान ले जाने की बात कही थी। इसके बाद तुरंत कर्नाटक जाने वाली फ्लाइट की तलाशी ली गई जिसमें कुछ भी संदिग्ध नही मिला। उसके बाद फोन करने वाले शख्स की तलाश शुरू हो गई। जांच में फोन कॉल करने वाले मोबाईल की लोकेशन शाजापुर जिले के शुजालपुर में मिली तो, भोपाल से स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई और तुरंत ही शुजालपुर के सहकारी बैंक के पास रहने वाले उज्ज्वल जैन नामक युवक के घर से हिरासत में लिया। भोपाल क्राइम ब्रांच की टीम भी शुजालपुर पहुंची, देर रात तक युवक से एसडीओपी ऑफिस में पूछताछ जारी थी। युवक ने फोन सिर्फशरारत के लिए किया था या वजह कुछ और है, इस पूरे मामले में पुलिस अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे है।

कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने हेतु दिशा-निर्देशों का पालन करें आमजन- कलेक्टर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता ने समस्त जिलेवासियों से आह्वान किया है कि, कोरोना संक्रमण की चैन को तोडने तथा जिले में प्रभावी रूप से कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण हेतु कोरोना कर्फ्यू लागू है। अतः समस्त जिलेवासी कोरेना कर्फ्यू के दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि, प्रतिबंधात्मक आदेश के साथ विभिन्न व्यवसाय संबंधित छूट भी निर्धारित समय सीमा के लिए प्रदान की गई है। इस दौरान आमजन अनावयक रूप से भीड वाले स्थान पर जाने से बचे। साथ ही दुकानदार मास्क लगाए तथा सोल डिस्टेसींग का पालन अनिवार्य रूप से करें। साथ ही ग्राहकों को भी मास्क और सोशल डिस्टेन्सींग के पालन हेतु लगातार प्रेरित करें। उन्होनें सभी का आह्वान करते हुए कहा कि, कोरोना संक्रमण की चैन को तोडने के लिए आवयक है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर में ही रहे। अत्यंत आवयक कार्य होने की स्थिति में ही अपने घर से बाहर निकले। उन्होंने जिले की समस्त जनता से आह्वान किया है कि, कोरेना संक्रमण की चैन को तोडने में प्रशासन का सहयोग करें। भीड एकत्र हो ऐसे स्थान पर जाने से बचे। जिला प्रासन के दिषा निर्देशो का पालन करते हुए कोरोना संक्रमण की चैन को तोडने के प्रयासों में सहयोग करें।

लॉकडाउन में पति की आर्थिक स्थिती ठीक नहीं होने से पत्नि को नहीं दिलवाया मोबाईल तो पेट्रोल डालकर की आत्महत्या

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

नगर के वार्ड नंबर 15 स्थित मगनजी की बाड़ी छत्री मार्ग स्थित कॉलोनी में 20 वर्षीय नवविवाहिता ने घर में रखी पेट्रोल केन से अपने ऊपर पेट्रोल डाल आग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। नवविवाहिता दीपिका पति नितेश माली (20) निवासी बोलियां तहसील गरोठ की शादी भानपुरा निवासी नितेश माली (24) से 11 सितंबर 2019 को कोर्ट मैरिज के आधार पर हुई थी, के द्वारा शनिवार रात मकान की पहली मंजिल पर अपने कमरे से बाहर गैलरी में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली, जिसके चलते जलने से महिला की मौत हो गई।

टीआई कमलेश कुमार सिंगार, नायब तहसीलदार रामकिशन अहिरवार, एसआई ममता अलावा एवं पुलिस दल मौके पर पहुंचा। मौके पर ससुराल एवं पियर पक्ष के परिजनों के बयान लिए गए एवं अन्य कागजी कार्रवाई की गई।

मृतका के पति नितेश माली ने बताया कि, उसकी दीपिका के साथ कोर्ट मैरिज हुई थी जिसे दोनों परिवारजनों ने सहज स्वीकार किया था। वह कपड़े की दुकान पर नौकरी करता है एवं लॉकडाउन के चलते पर्याप्त पगार नहीं मिल पाई थी, पत्नी ने नए मोबाइल की फरमाइश की थी। हालांकि उसके पास पुराना मोबाइल था जिस पर वह गेम एवं सीरियल देखती थी। संयुक्त परिवार में रहते उसके कमरे में टीवी नहीं था। पति नितेश ने बताया कि, मैंने उससे वादा किया था कि, तुम्हें नया मोबाइल अगले माह दिला दूंगा। वह नए मोबाइल की जिद कर रही थी। रात 11 बजे के पहले पत्नी दिपीका ने अपने पाइजेब खोल कर रख दिए। मुझे नींद आ गई तो वह चुपके से बाहर निकली और कमरे का दरवाजा में बाहर से कुंडी लगाकर बंद कर दिया व घर पर मेरे पिताजी द्वारा लकड़ी का काम करने के कारण उपयोग में लिए जाने वाले पेट्रोल की केन घर के चौक में रखी थी, परिवार

के सभी लोग अपने कमरों में सो रहे थे। वह चुपके से पेट्रोल की केन नीचे से लेकर आई व गैलरी में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। उसके चिल्लाने की आवाज आने के बाद घर वाले इकट्ठे हुए व पुलिस तथा एंबुलेंस वाले को फोन लगाया परंतु तब तक दीपिका की मौत हो चुकी थी।

बोलियां से मृतिका दीपिका के परिवार वाले घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर मृतिका दीपिका की माता प्रेम बाई ने बताया कि, मेरी बेटी नहीं मर सकती, वह मेरी इकलौती बेटी थी। मैं उसे हमेशा उसकी पसंद का सामान देती रहती थी, मोबाइल भी दे सकती थी। घटना से एक दिन पहले रात 9 बजे मेरी उससे बात हुई थी तो उसने ससुराल वालों से कहासुनी की बात के चलते सवेरे से भोजन नहीं किया था। मैंने जब जमाई नितेश से फोन पर कहा कि, इसको समझा कर भोजन करवा दो बेटे, तो नितेश ने कहा कि आपने पहले ही मेरा क्या कर लिया जो अब कर लोगे।

मृतिका के पति नितेश एवं देवर अशोक व अन्य परिजनों ने बताया कि, हमारी किसी तरह से कोई माथापच्ची नहीं हुई थी। मोबाइल दिलाना था परंतु नया दिलाते उसके पहले ही उसने आत्महत्या कर ली। हमें विश्वास नहीं हो रहा है कि वह ऐसा भी कर सकती थी। हमारे द्वारा किसी भी तरह से परेशान करने के आरोप बेबुनियाद है। इस घटना से समीपस्थ निवासरत कॉलोनी मे शोक की लहर छा गई।

मामले में टीआई कमलेश कुमार सिंगार ने बताया कि, नवविवाहिता की मौत हुई है, प्रारंभिक तौर पर मर्ग कायम कर जांच में लिया है, नवविवाहिता की जलने से हुई मौत का मामला है, नवविवाहित का मामला होने से जांच एसडीओपी द्वारा की जा रही हैं। नवविवाहिता की मौत के मामले में मृतिका के पियर वाले परिवारजनों को शव सौंपा गया।

सीईओ भाई कोतवाल तो डर कांहे का...

सीईओ चौहान के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के नए आयाम जड़ता विकास खण्ड पेटलावद

मनरेगा, चैक डेम, स्टॉप डेम हर जगह भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार, कोई सुनने वाला ही नहीं

मौके पर भराव के लिए मशीन का उपयोग, कार्य मे लगे मिस्त्री ने मशीन से कार्य करवाने की पुष्टि की।

रेत की जगह डस्ट का उपयोग कर रही है पंचायत।

बामनिया पाटड़ी नदी के बीच मे बन रहा घटिया चैक डेम, जिसके बारिश में तेज बहाव में फूटने की पूरी संभावना हैं।

चैक डेम की नींव भरने के लिए रखे पत्थर।

माही की गूंज, पेटलावद।

जब जवाबदार अधिकारी ही अपनी जिम्मेदारियों से भाग कर गलत के साथ हो जाए तो निश्चित है, गलत करने वालो को गलत करने का पूरा मौका मिलेगा, पेटलावद विकास खण्ड की कहानी भी बिल्कुल वैसी ही है। विकास खण्ड के अधिकारी बिल्ली की भांति आँख बंद कर के दूध पी रहे हैं, मानो उनको कोई नही देख रहा। जबकि उनके काले कारनामो की गवाही सरकारी रिकॉर्ड और घटिया निर्माण चिल्ला-चिल्ला कर भ्रष्टाचार की कहानी बयां कर रहे हैं। इन दिनों विकास खण्ड में नदी पुनर्जन्म के नाम पर चैक डेम और स्टॉप डेम निर्माण का कार्य जोरो पर है। कहने को तो एजेंसी ग्राम पंचायत है लेकिन हर कार्य पर पत्रकार, नेता या किसी अधिकारी का स्टिकर चिपका हुआ है, जिसमे हर किसी के कमीशन की बंदरबाट हो चुकी है।

सीईओ भाई कोतवाल तो डर कैसा, बामनिया पंचायत में नदी के बीचों बीच बन रहा चैक डेम

जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एनएस चौहान भ्रष्ट पंचायतो के कोतवाल बने हुए है। ग्राम पंचायत बामनिया में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां नदी के बीचों-बीच लगभग 7 लाख 5 हजार रूपए की लागत से चैक डेम बन रहा है। बारिश में आने वाले तेज़ बहाव में तय है वह जाएगा, फिर भी जनता के पैसे पानी में बहाने की पूरी तैयारी कर यहां बिना देखे भाले कमीशन के दम पर कार्य को स्वीकृति दे दी गई।

नदी के बीच चैक डेम बनने का पहला मामला, उपयंत्री ने कहा लगा देंगे गेट

ग्राम पंचायत बामनिया में पेटलावद रोड स्थित पाटड़ी नदी के बीचो-बीच चैक डेम बनाया जा रहा है, जो अब तक बने चुके या बन रहे चैक डेम में से एक भी नदी के बीच नही बना। जहां डेम बन रहा है वहां आस-पास लोगो के खेत भी है और बारिश का पानी डेम के कारण खेतो में घुस कर खेतो को बर्बाद करेगा और पानी के भारी दबाव में डेम फुट भी जाए तो कोई बड़ी बात नही।

कार्य के उपयंत्री नीरज पांचाल ने भी माना कि, बारिश में नदी के बहाव में डेम बह सकता है, इस पर गेट लगा देंगे जो बारिश में खुले रहेंगे और डेम को नुकसान नही होगा। लेकिन डेम के स्थान को देखकर भी इस पर स्वीकृति देने पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

मशीन से हो रहा कार्य, मनरेगा का उड़ाया जा रहा है मख़ौल

डेम की पड़ल से लेकर भराव तक मनरेगा योजना अंतर्गत मजदूरों से कार्य करवाया जाना था, लेकिन कार्य को जल्दी पूर्ण करने के लिए मजदूरों के हक पर डाका मारा जा रहा है और पड़ल खुदाई ओर भराव का कार्य जो मजदुरो द्वारा आसानी से किया जा सकता था उसे भी मशीन से करवाया जा रहा है, जिसकी पुष्टि कार्य कर रहे मिस्त्री और आस-पास के किसानों द्वारा भी की गई। मौके पर मशीन द्वारा कार्य करते हुए फोटो भी गूंज द्वारा लिए गए है। न पड़ल नियमानुसार खोदी गई न ही उपयंत्री की उपस्थिति में भरी जा रही है। रेत के स्थान पर खुलकर डस्ट का प्रयोग किया जा रहा है। न कार्य स्थल पर कोई बोर्ड है और न ही कार्य कर रहे मजदूरों की कोई संख्या, जिससे साफहै कि, कार्य का उद्देश्य केवल सरकारी पैसे को मनचाही जगह बर्बाद कर कमीशन कमाया जाए।

पत्थर से भर रहे नीव, अधिकारियों को खुली चुनौती पड़ल खोद कर कर ले जांच

भ्रष्टाचार का रथ कही रुका हुआ नही है, सब अधिकारी और उपयंत्री ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर धटिया निर्माण करने में जुटे हैं। ग्राम पंचायत डाबड़ी में बन रहे चैक डेम में पत्थर से पड़ल भरी जा रही है, ऐसे दो से तीन चैक डेम ग्राम में तैयार भी हो चुके हैं। ग्राम के ग्रामीण जिनको निर्माण कार्य का 'अ' भी नही आता उनको यही लगता है कि, पड़ल में पत्थर भरना नियम में होगा। इसलिए जब ग्रामीणों से पूछा तो उन्होंने ने भी बताया कि, चैक डेम में पत्थर भरे गए हैं। अगर अधिकारी ईमानदार है तो गूंज द्वारा चिन्हित चैक डेम की नींव खोद कर देख ले, यदि कार्य नियमानुसार सही पाया जाता है तो उसके पूरे खर्चे का वहन गूंज द्वारा किया जाएगा।

उपयंत्री अहिरवार का जादू बरकरार, पत्थरों से भर रहे चैक डेम की नींव

मशीन से तालाब खुदवाकर गरीब मजदूरों के हक पर डाका मारने वाला जनपत पंचायत पेटलावद का उपयंत्री अहिरवार, जनपत सीईओ और ग्राम पंचायत के अघोषित ठेकेदारों के साथ मिलकर अपने व्यारे-न्यारे करने में लगा है।

ग्राम पंचायत डाबड़ी में बन रहे चैक डेम की नींव जो मापदंड के अनुसार कही नजर नही आती।

उपयंत्री अहिरवार के सेक्टर वाली पंचायतो में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। वर्त्तमान में अहिरवार के सेक्टर में बने चैक डेम में भारी लापरवाही और भ्रष्टाचार सामने आया लेकिन पहले से कमीशन के अहसान तले अधिकारी शिकायत और जांच के नाम पर फिर से ग्राम पंचायत, उपयंत्री और अघोषत ठेकेदार से वसूली कर मामला दबा दिया जाता है। ग्राम पंचायत डाबड़ी के ग्राम भमती में बन रहे चैक डेम में नीव में पत्थर भर कर बनाया जा रहा है। ग्राम पंचायत डाबड़ी में बने और भी चैक की हालत यही है।

जब इस संबंध में उपयंत्री अहिरवार से बात की तो उनका कहना है कि, हसे में दो बार मे कार्य स्थल पर जाता हूं। लेकिन जब गूंज ने पुछा कि, नीव भरने के दौरान क्या आप मौजूद रहते हैं? तो उपयंत्री जबाब नही दे पाए। कार्य स्थल के फोटो से साफहै कि, डेम की नींव में पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है। यदि बने हुए इन चैक डेम की जांच की जाए तो पूरे भ्रष्टाचार का खेल उजागर होगा कि, आखिर क्यो सैकड़ो शिकायतो ओर खबरों के बाद भी कोई कार्रवाई नही हुई।

घर में घुसकर महिला पर दाग दी गोली, हुई मौत

जल्द ही खुलासा कर सकती है पुलिस, महिला के पुत्र का प्रेम प्रसंग और संपत्ति विवाद से जुड़ा हो सकता है मामला?

माही की गूंज बामनिया। गौरव भंडारी

मंगलवार सुबह ग्राम के व्यस्तम मार्ग अमरगढ़ रोड स्थित एक मकान से सुबह 8 से साढ़े 8 बजे के बीच अचानक गोली चलने की आवाज आने और परिवार में मची अफरा-तफरी के बाद हत्या की बड़ी वारदात सामने आई। मंगलवार को चंदू माझी की पत्नी निर्मला अपने घर के किचन में कार्य कर रही थी कि, अचानक एक व्यक्ति घर के बाहर के दरवाजे से अंदर घुसा और घर मे किचन में काम कर रही नर्मदा मांझी पर गोली चला दी। बताया जा रहा है, हमलावर पूरी तरह से घर मे हत्या के उद्देश्य से घुसा था और उसने घर में चार से पांच राउंड फायर किए, जिसमें दो से तीन गोली महिला को लगी। लोगो को कुछ पता लगता या कुछ समझ पाते इससे पहले आरोपी गोली मारने के बाद पीछे के दरवाजे के निकल कर रेल्वे के पास बने नाले से निकल कर फरार हो गया। कुछ लोगों ने उसका पीछा किया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

मौके पर पहुंची पुलिस, अस्पताल में महिला ने तोड़ा दम

वारदात की सूचना के बाद बामनिया पुलिस चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे व घायल अवस्था मे महिला को पेटलावद अस्पताल भेजा गया, जहां महिला ने दम तोड़ दिया। मामले की गंभीरता से देखते हुए एसडीओपी सौनु डावर और थाना प्रभारी सजंय रावत ने पहुंचकर मौके की जांच की। देर शाम तक फोरेंसिक टीम ओर पुलिस अधीक्षक के साथ आला अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंचकर परिवार से पूछताछ कर सबूत जुटाए।

अस्पताल में नही थे डॉक्टर, बामनिया में गोली मारकर हत्या का पहला मामला

गंभीर हालत में महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटलावद ले जाया गया, जहां महिला के इलाज के लिए 40 मिनिट तक कोई डॉक्टर उपलब्ध नही हो पाया और जब तक डॉक्टर घायल के पास पहुंचे तब तक महिला की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है, इलाज के लिए डॉक्टर का दरवाजा बजाते रहे लेकिन डॉक्टर नहाने ओर तैयार होने में ही व्यस्त हैं। ग्राम में 8 जून को इस प्रकार से गोली मार के हत्या करने का यह पहला मामला है, जिससे नगर में दहशत का माहौल बन गया है। देर शाम महिला का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद उसका अन्तिम संस्कार किया गया। अंतीम संस्कार में महिला का पुत्र नही पहुँचा।

हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद होने के कारण आए सामने, जांच में जुटी पुलिस कर सकती हैं जल्द खुलासा

मौके पर पहुंची पुलिस और जांच टीम ने परिवार ओर आस-पास के लोगो से पूछताछ की जिसमे लगभग हत्या के पीछे के कारण साफहो गए। पुलिस सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार परिवार के मध्य चल रही कलह कही न कही इस वारदात के पीछे का मुख्य कारण है जिसको लेकर जांच जारी है और पुलिस जल्द ही इसका खुलासा कर सकती हैं। मृतक महिला का पुत्र जो कि, कुछ समय पूर्व अपनी करीबी रिश्तेदार से प्रेम विवाह कर चुका है, पुलिस इसी एंगल से जांच कर लड़के और लड़की या उसके किसी रिश्तेदार द्वारा उक्त मामले में अंजाम दिया हो सकता है। एसडीओपी सौनु डावर ने बताया कि, काफी हद तक इस मामले को सुलझाने में कामयाबी हासिल कर ली है और जल्द ही हम इसका खुलासा कर देंगे।

पकड़ा गया आरोपी?

जन चर्चा का विषय ये है कि, आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है लेकिन पुलिस अपराध को अंजाम देने वालो में शामिल लोगों की तलाश कर रही हैं और हत्या में उपयोग किया गया हतियार बंदूक को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। एसडीओपी सौनु डावर ने बताया कि, महिला के पुत्र की भूमिका की भी जांच की जा रही हैं।

वाह चौहान साहब! आपका जवाब भी नहीं, आपका अधिकार, अधिकार पर हमारा अधिकार कुछ नहीं!

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसुरी

पेटलावद जनपद में पदस्थ सीईओ एनएस चौहान का कारनामा ऐसा कि, वह कह रहे हैं उनका अधिकार, अधिकार है पर उनके काले कारनामों को छापने वाले पत्रकार का अधिकार कुछ नहीं है।

एनएस चौहान साहब अपने समस्त अधीनस्थ अधिकारी एवं पंचायतों में पदस्थ सचिव, रोजगार सहायक तथा सरपंचों को विकास के कार्यों में इतनी छूट दे रखी है कि, वह कितने भी निचले तक का भ्रष्टाचार करें, उन्हें कोई मतलब नहीं। बस कार्य मंजूरी के पहले हस्ताक्षर करवाने हेतु व कार्य मंजूर होने के बाद भ्रष्ट कार्य को गुणवत्ता युक्त कार्य घोषित कर बिना निरीक्षण के ही अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा गुणवत्ता युक्त कार्य बताकर उनके अधिकारी, चौहान साहब से जनपद स्तरीय अंतिम हस्ताक्षर करवा लेते हैं। बदले में भ्रष्ट सीईओ एनएस चौहान अपने निर्धारित भ्रष्ट रूपी रकम तय की गई हस्ताक्षर के पूर्व राशि लेकर अपने हस्ताक्षर बिना किसी अपने अधीनस्थ अधिकारी से तर्क-वितर्क के कर देते हैं। वही चौहान साहब के रुपया कमाओ हस्ताक्षर करो वाली कारस्तानी से सभी अधीनस्थ अधिकारियों एवं पंचायतों में पदस्थ सचिव, रोजगार सहायक के साथ सरपंच भी भ्रष्टाचार का खुल्ला खेल बिना सीईओ चौहान के तर्क-वितर्क के आसानी के साथ खुशी-खुशी चल रहा है, जिसके चलते एनएस चौहान के अधीनस्थ सभी अधिकारी कर्मचारी व सरपंच चौहान साहब को बहुत सीधे हैं कि उपाधि पूरे जनपद क्षेत्र में दे रहे हैं। क्योंकि चौहान साहब पैसे लेते ही बिना किसी सवाल-जवाब के हस्ताक्षर कर देते है एवं चौहान साहब ने उनके आड़े आने वाले कुछ पत्रकारों को ऐसा सेट किया कि, वह भी भ्रष्टाचार के इस खेल में शामिल होकर साहब के दिए गए रोटी के टुकड़े की तर्ज पर कार्य कर साहब के आगे नतमस्तक हो गए।

एक निष्पक्ष पत्रकार का दायित्व है कि, वह जनहित में क्षेत्र में हो रही अनियमित्ताओं को प्रकाशित करें। इसी कर्तव्य निष्ठा के साथ माही की गूंज पेटलावद के प्रतिनिधि राकेश गेहलोत जहां खुले रूप से भ्रष्टाचार दिख रहा है उसे किसी की पुष्टि या वर्जन की आवश्यकता नहीं है जिसे प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया गए है व आगे भी किए जाएगें।

वही चौहान साहब के पेटलावद जनपद के हस्ताक्षरित भ्रष्ट अभियान का खेल अच्छी तरह से चल रहा है के चलते उनके ट्रांसफर होने के बाद चौहान साहब ने कानूनी दांव-पेच खेल अपने अधिकारो का प्रयोग कर न्यायालय से स्टे आर्डर लाकर पेटलाद जनपद पंचायत में निरंतर पदस्थ होकर अपने हस्ताक्षरित भ्रष्टाचार को खेल, खेल रहा है, जिसका खुलासा माही की गूंज जनहित के लिए प्रमुखता के साथ कर रहा है।

बौखलाए चौहान ने प्रेसनोट जारी कर तथाकथित पत्रकार के माध्यम से वीडियो भी करवाया जारी

चौहान साहब हम आपके प्रेस नोट व जारी वीडियो का तहेदिल से स्वागत करते हैं। हां, हमने किसी भी अनियमित्ताओं का वर्जन जहां हमें लगता है कि नहीं लेना है तो हम नहीं लेते हैं, क्योंकि जहां खुलेआम भ्रष्टाचार दिख रहा है वहां हमें आप जैसे भ्रष्ट अधिकारियों के वर्जन की आवश्यकता नहीं होती है और हम हमारे अधिकारों के साथ समाचार को प्रमुखता के साथ प्रकाशित करते हैं। इसलिए हमें आपसे हमारे अधिकार क्या है न जानने की आवश्यकता है न हम आपसे जानना चाहते हैं। हां, आप हमारे लिखे समाचार पर न्यायालय की शरण में जाकर हमें चेलेंज कर सकते हैं, हम मान्य न्यायालय में आपका स्वागत करेंगे और आपके भ्रष्टाचार का सबूत न्यायालय में पेश करेंगे। इसलिए हम खुद भी चाहते हैं कि आप हमारे विरुद्ध लिखे समाचारों पर न्यायालय में जाएं ताकि आपके भ्रष्टाचार का खेल न्यायिक प्रक्रिया में सामने आ सके।

चौहान साहब आपकी हरकतों से ही साफजाहिर हो रहा है कि, आपके द्वारा करवाए जा रहे भ्रष्टाचार के खुलासे माही की गूंज में प्रकाशित हो रहे हैं जिससे आप इतने बौखला गए हैं कि, एक प्रेस नोट जारी किया जिसमें हमारे अखबार का नाम उल्लेखित नहीं किया। हम तो चाहते हैं कि, आप हमारे तथ्यात्मक समाचारों के विरुद्ध नाम उल्लेखित कर प्रेस नोट जारी करें। वही आपने अपनी गिरी हुई हरकतों का परिचय देते हुए एक तथाकथित पत्रकार जिसे पत्रकारिता का मूल मन्त्र ही क्या है पता नहीं, उसे अपने भ्रष्टाचार रूपी प्रलोभन देकर एक षड्यंत्र के साथ हमें आपके भ्रष्टाचार के छप रहे समाचार को रोकने के प्रयास में हमें डराने का एक असफल प्रयास किया है।

चौहान साहब आप असल में भ्रष्ट नहीं है और काली कमाई का रुपया नही लिया हो तो आप न्यायालय में जाए, हम आप को चौलेंज करते हैं।

बता दें कि, साहब के बहकावे में आकर वीडियो जारी करने वाला तथाकथित पत्रकार जिसका हम नाम भी नहीं लिखना चाहते हैं, जिसका भी हम सम्मान करते हैं कि, साहब के बहकावे में आकर माही की गूंज को और मजबूत करने का एक प्रयास किया है पर जब आपने वीडियो जारी कर ही दिया तो फिर हमारे प्रतिनिधि को फोन लगाकर माफी मांगने व चौहान साहब के विरुद्ध हमसे वीडियो जारी करवाकर आप उसे प्रकाशित करने की बात क्यों कर रहे हो, हमें आपकी कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि माही की गूंज टीम ही काफी है चौहान साहब जैसे भ्रष्ट अधिकारियों के नकाब का खुलासा करने के लिए।

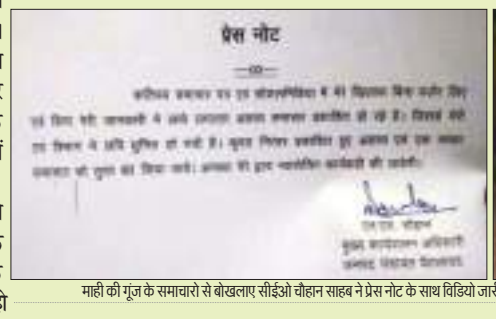
प्रेस नोट

माही की गूंज के समाचारो से बोखलाए सीईओ चौहान साहब ने प्रेस नोट के साथ विडियो जारी करवाकर माही की गूंज का बढाया बल।

जिले को छूट देकर खुद सोता नजर आ रहा है प्रशासन

- जनता को समझाइश देने में भी नाकामयाब ही साबित हो रहे जिम्मेदार

माही की गूंज, झाबुआ। कोरोना महामारी की पहली लहर जिले में आई थी तो संक्रमण इतना नहीं फैला था। जिले में कुल संक्रमितों की संख्या 2 हजार के आंकड़े के आसपास थी। हालांकि पहली लहर में भी मौत का आंकड़ा जिले में सरकारी रेकार्ड के अनुसार लगभग 27 रहा। लेकिन दूसरी लहर ने जिस तरह से तबाही मचाई वह इतनी भयावह थी कि जमीनी व सरकारी रेकार्ड में जमीन आसमान का अंतर आ गया। संक्रमण की पहली लहर से सीख ना लेने का नतीजा रहा कि दूसरी लहर की भयावह स्थिति देखने को मिली। अब वर्तमान में संक्रमण दर जिले में बहुत कम है। दूसरी लहर की तबाही के बाद अब संक्रमितों का आंकड़ा एक अंक में ही आ रहा है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने जिले में काफी सारी छूट दे दी है। मगर छूट मिलने के बाद बाजारों की स्थिति और लापरवाह लोगों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे कोरोना कभी था ही नहीं या अब आगे कोरोना का संक्रमण बढ़ ही नहीं सकता।

प्रथम दृष्टया तो यही लगता है कि जनता संक्रमण को लेकर अब भी बहुत ज्यादा लापरवाही दिखा रही है और यह सही भी है। छूट मिलने के बाद जिस तरह से बाजारों में भीड़ उमड़ रही है। मास्क गायब है, सोश्यल डिस्टेंस के नियम की धज्जियां उड़ाई जा रही है, सेनेटाईजर तो बीते दिनों की बात हो गई है। मास्क सिर्फ इसलिए लगाया जाता है कि कहीं कोई रोक ना ले। व्यापारी भी नियमों को ताक में रखकर अपना आर्थिक लाभ साध रहे है। इस दौर में प्रशासन की भूमिका भी संदेहास्पद नजर आ रही है। जो प्रशासन लॉकडाउन में इतनी सख्ती दिखा रहा था कि बिना वजह लोगों का घर से निकलना तक प्रतिबंधित था, बिना मास्क घूमने वालों के चालान काटे जा रहे थे। वह कोरोना कर्फ्यू में छूट मिलने के बाद सौता नजर आ रहा है। मानो प्रशासन भी यह मान चुका है कि कोरोना जा चुका है। जबकि कोरोना की तीसरी लहर आने का अंदेशा जताया जा रहा है।

प्रशासन की कोरोना गाइड लाइन के अनुसार अब भी बिना मास्क के घूमना प्रतिबंधित है, सोश्यल डिस्टेंस का पालन अब भी करना जरूरी है और अगर कोई गाइड लाइन का पालन नहीं करता है तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान अब भी है। जिला प्रशासन द्वारा जारी नई गाइडलाइन में भी इन सब बातों का जिक्र किया गया है। बावजूद इसके लोगों से ज्यादा लापरवाही प्रशासन दिखा रहा है। खुले आम नियमों की धज्जियां बाजारों में उड़ रही है और प्रशासन किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। प्रशासन का अपना मत भी यह कि अगर ग्रामीणों पर कार्रवाई करते है तो 'गरीबों के गले नख देने' का इल्जाम सर आ जाएगा। इन मुद्दों पर जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो पत्रकारों व अखबारों को यह सीधा सा एक जवाब मिलता है कि लोगों को समझाईश दे रहे है।

जिम्मेदारों के इस तर्क पर प्रशासनिक कार्यप्रणाली और उसकी दक्षता पर प्रश्न खड़े हो रहे है। पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से आप लोगों को समझाते ही चले आ रहे है और इतना वक्त बीत जाने के बाद आप अब भी समझा ही रहे है। तो जब आप अब तक लोगों को समझा ही रहे है तो फिर लोगों से अमल कब तक करवा पाएंगे। क्या इसके लिए आप अगले जन्म का इंतजार करेंगे? या जिला प्रशासन के जिम्मदारों में अब इतनी कुशलता व दक्षता नहीं रही कि वे अपने जिले की जनता को समझा सके। अगर यह सही है तो यह नाकामयाबी प्रशासन के मुंह पर ही करारा तमाचा साबित होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422